डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 12 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

सभी सुधि पाठकों को हिन्दी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जयपुर
बुधवार, 14 सितम्बर 2022

कांग्रेस की "भारत जोड़ो यात्रा" भाजपा पर पड़ेगी भारी

बीजेपी और संघ की विचारधारा नफ़रत फैलाने वाली है, हमारी ये यात्रा बीजेपी और आरएसएस की इसी विचारधारा के ख़िलाफ़ है: राहुल गाँधी

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राहुल गाँधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं और वे इसके माध्यम अपने कुशल नेतृत्व से कांग्रेस की नींव निश्चित रूप से मज़बूत करने में सफलता भी प्राप्त करेंगे।

भारत भावनाओं से भरा देश है। सहयोग और सामीप्य का भाव संबंधों में मज़बूती लाता है इसी भावना के साथ लोगों से रूबरू होने राहुल निकल पड़े हैं सड़कों पर। 3500 किलोमीटर की इस यात्रा से कांग्रेस 2024 में कमाल दिखाने की पूरी कोशिश में है और सर्वविदित है कि कोशिशें क़ामयाब होतीं हैं।

एक प्रश्न भारत के पटल पर अंकित हो गया है कि क्या राहुल गाँधी की यह यात्रा कांग्रेस को मज़बूत कर पाएगी?

राहुल गांधी ने कहा कि नफ़रत के ख़िलाफ़ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि, हज़ारों वर्षों से दो अलग-अलग दृष्टिकोणों के बीच लड़ाई चल रही है, और यह जारी रहेगी। भारत के दो अलग-अलग दृष्टिकोण हैं, एक दृष्टिकोण कठोर और नियंत्रित करने वाला है जबकि दूसरा मिश्रित और खुले विचारों वाला है। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान मैं जहाँ भी जा रहा हूँ लोग महंगाई से बहुत ज्यादा परेशान हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनता की तकलीफ़ को जानबूझ कर अनदेखा कर रहे हैं।

भारत की हर दुख भरी पुकार को हम हुंकार बनाएंगे, और भारत जोड़ते जाएंगे

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान लोगों की काफी भीड़ उमड़ी। इस पदयात्रा की कई तस्वीरें भी सामने आईं। यात्रियों को सादगीपूर्ण तरीके से रहने के लिए कहा गया है। भारत जोड़ो यात्रा गत शनिवार को केरल पहुंची थी। यह यात्रा 19 दिनों में राज्य के सात जिलों से होते हुई एक अक्टूबर को कर्नाटक पहुंचेगी। राहुल गाँधी के साथ तीन तरह के यात्री पदयात्रा कर रहे हैं। करीब 120 भारत यात्री हैं, जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक साढ़े तीन हजार किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे। साथ ही जिस राज्य से यात्रा गुजर रही है, उस प्रदेश के 100 प्रदेश यात्री साथ चलेंगे। ऐसे में केरल में प्रवेश करने के साथ तमिलनाडु के 100 प्रदेश यात्रियों की जगह केरल के प्रदेश यात्रियों ने ली है।

कांग्रेस नेता राहुल गाँधी इस पदयात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं लेकिन साथ ही ये चर्चा भी चल रही है कि क्या राहुल गाँधी इस पूरी यात्रा के दौरान पैदल चलेंगे?

कांग्रेस पार्टी की योजना के अनुसार सात सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा अगले 150 दिनों में देश के 12 राज्यों और दो केंद्र-शासित प्रदेशों से गुज़र कर 3,570 किलोमीटर का सफर तय कर जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में समाप्त होगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह से जब ये पूछा गया कि क्या राहुल गाँधी इस पूरी यात्रा में चलेंगे तो उन्होंने कहा था, 'बिलकुल, वो पूरे रास्ते चलेंगे!' दिग्विजय सिंह ने साथ ही ये भी कहा था कि राहुल गाँधी बीच में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव प्रचार कर सकते हैं।आगामी नवंबर के महीने में हिमाचल प्रदेश और दिसंबर में गुजरात में विधान सभा चुनाव होंगे। नवंबर के अंत या दिसंबर की शुरुआत में संसद का शीतकालीन सत्र शुरू होगा जो दिसंबर के अंत तक चलेगा। कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, नीलांबुर, मैसुरु, बेल्लारी, रायचूर, विकाराबाद, नांदेड़, जलगांव, जामोद, इंदौर, कोटा, दौसा, अलवर, बुलंदशहर, दिल्ली, अम्बाला, पठानकोट और जम्मू से गुज़रते हुए से श्रीनगर में ख़त्म होगी।

ख़बर बेख़बर

शहर से 50-60 किमी दूरी के अवैध निर्माणों पर बनावटी बुलडोज़र चलाने वाले मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी को अपने घर के पास के अतिक्रमण नज़र क्यों नहीं आते?

आख़िर अतिक्रमण में मनमानी और दिखावटी कार्यवाही करने वाले रघुवीर सैनी लम्बे समय से जेडीए की मलाईदार पोस्ट पर किसकी मेहरबानी से टिके हैं?

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अपनी दोगली कार्यनीति से पतन की तरफ़ बढ़ते जेडीए मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी अपने स्वयं के आवास शांति नगर, करतारपुरा प्रथम जोन 05 से कुछ क़दम की दूरी पर होते अतिक्रमण पर मौन क्यों धारण किये हुए हैं?

पिछली गहलोत सरकार में शिविर लगाकर महावीर कॉलोनी के निवासियों को जेडीए ने ही पट्टे बांटे थे और सड़क को 60 फीट की दर्शा कर इन अवैध अतिक्रमणकारियों को उनके मकान के पट्टे जारी किए थे पर आज की स्थिति ये है जो सड़क 60 फीट की थी वो आज 20 फीट की भी नहीं रही। अतिक्रमणकारियों ने 60 फीट सड़क को 20 फीट का भी नहीं छोड़ा। घरों की दीवारें सड़क पर आ गईं हैं या बैठक के कमरे का निर्माण आधी सड़क खा गया है।

जेडीए की तरफ़ से एक बार कार्यवाही हुई और दो-तीन मकानों के आगे से जेडीए ने अतिक्रमण हटाया भी लेकिन उससे आगे के अतिक्रमणधारियों ने अपने मकान पर कोर्ट से कुछ दिनों के लिए समय ले लिया कि वे स्वयं अपना अतिक्रमण हटा लेंगे और इस तरह जेडीए की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी लेकिन कुछ दिनों बाद फिर से अतिक्रमणकारियों ने सड़क को कब्जे में करने की तैयारी कर ली और अब बजरी, ईंट, पत्थर भी डलवा दिए है दुबारा अतिक्रमण करने के लिए।

आख़िर रोज़ाना इस मार्ग से गुज़रने वाले प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी को यह अतिक्रमण के लिए पुनः होती अवैध गतिविधियाँ क्यों नज़र नहीं आ रहीं?

आख़िर किसके आदेश का इंतज़ार है जेडीए को?

गौरतलब बात तो यह है की यह सब जयपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी के मकान से चार मकान दूरी पर चल रहा है। जहां रघुवीर सैनी जेडीए की करोड़ों की जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराने का दावा करते है वहीं अपनी आँखों के सामने उनको यह अतिक्रमण नहीं दिख रहा?

कॉलोनीवासी इस अवैध क़ब्ज़ों से काफी परेशान हैं। शाम को घण्टों जाम लग जाता है अतिक्रमण वाले तिराहे पर।

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत(सैनी) को ध्यान देने की आवश्यकता है कि जयपुर विकास प्राधिकरण के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहे हैं। लगभग साढ़े तीन साल से एक ही मलाईदार पोस्ट पर जमे रघुवीर सैनी तानाशाह प्रवृति के और अभिमानी भी हो चले हैं।

जेडीए से 4-5 किमी के दायरे में होते अतिक्रमण और अवैध निर्माण इन्हें नज़र नहीं आते लेकिन शहर से 50-60 किलोमीटर पर होते अवैध क़ब्ज़ों पर इनकी पैनी नज़र पहुँच जाती है। शहर की सकड़ी गलियों में भी होते अवैध निर्माण इन्हें नज़र आते हैं और वो भी तब जब तक अवैध निर्माणकर्ता अपना लाखों रुपया फूँक नहीं देता उसके बाद इनकी भूमिका शुरू होती है क्योंकि तब तक अवैध निर्माणकर्ता के लिए उसके द्वारा किया गया अवैध निर्माण गले की हड्डी बन जाता है। करोड़ों को बचाने के लिए अवैध निर्माण कर्ता लाखों की इनको भेंट चढ़ाने पर मज़बूर हो जाता है। दूसरी ओर शहर के मुख्यमार्गों की अवैध बिल्डिंग्स इनकी नज़रों से नज़राना लेकर ओझल हो जाती हैं। एक अजीब खेल जेडीए में चल रहा है। गोपालपुरा बायपास,रिद्धि-सिद्धि चौराहे पर बनी हुई और अब भी बन रहीं बड़ी-बड़ी अवैध बिल्डिंग्स सैनी को नज़र नहीं आ रहीं।

जौहरी बाज़ार मनीराम जी की कोठी का रास्ता में अवैध कॉम्प्लेक्स भूखंड संख्या 421 को नगर निगम ने किया सीज

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 421 के भवन मालिक अवैध निर्माण करने को आमादा थे ऐसे में जागरूक नागरिक अनिल पराशर द्वारा किशनपोल जोन निगम में सूचना देने पर निगम ने कार्यवाही की। किशनपोल जोन द्वारा लगातार तीन नोटिस देने पर भी भवन मालिक ने व्यवसायिक प्रयोजन हेतु रोलिंग शटर का काम जारी रखा। इस दौरान हाईकोर्ट एडवोकेट रश्मि जैन जो कि हाल में मालवीय नगर में निवास करती है वे इस पैतृक संपत्ति की पूरी मालकिन हैं,ने अनिल पाराशर को उनके ऑफिस में आकर गाली-गलौच की,धमकियाँ दीं और देख लेने की धमकी देकर चली गयी। अपने प्रोफेशन का रौब दिखाकर अनिल पराशर को मानसिक प्रताड़ना के साथ-साथ उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने की कोशिश एडवोकेट रश्मि जैन ने की किंतु अनिल पाराशर एक सभ्य और जागरूक नागरिक हैं।अतः उन्होंने कोई भी क़ानूनी मदद नहीं ली और एफआईआर दर्ज नहीं करवाई लेकिन क्या अनिल पाराशर जैसे लोग इन भूमाफ़ियायों से सुरक्षित रह सकते हैं? हालांकि अब यह भवन 421 सीज कर इस पर नगर निगम का नोटिस चस्पा कर दिया गया है।

421, मनीराम जी की कोठी का रास्ता जौहरी बाज़ार,जयपुर इसमें तीनों मंज़िल पर दुकानें हैं और उनके पीछे गोदाम, पूरी तरह से अवैध कॉम्प्लेक्स है यह भवन।

अध्यक्ष पद पर अटकी कांग्रेस की सुई: गहलोत बोले

सोनिया कहेंगी तो अध्यक्ष बनने के लिए तैयार, पहली प्राथमिकता राहुल को मनाने पर

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। कांग्रेस के नए अध्यक्ष को लेकर सस्पेंस लगातार बढ़ता जा रहा है। पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फिर से पार्टी की कमान संभालने से साफ इनकार कर दिया है। फिर भी आलाकमान के करीबी माने जाने वाले नेता उन्हें मनाने में जुटे हैं। सूत्रों के अनुसार, कई सीनियर नेताओं ने राहुल के राजी नहीं होने की स्थिति में सीएम अशोक गहलोत को यह जिम्मेदारी उठाने की गुजारिश की है।

इसके जवाब में गहलोत ने कहा है कि सोनिया गांधी कहेंगी तो वे अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। इन नेताओं ने गहलोत को यह भरोसा भी दिया है कि यदि वे हां करते हैं तो आलाकमान उन्हें अध्यक्ष के साथ कुछ महीनों के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भी बरकरार रखने के लिए तैयार है। यही नहीं, मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में उनकी राय को पूरी तरजीह दी जाएगी, लेकिन अंतिम निर्णय आलाकमान का ही होगा। गौरतलब है कि 23 अगस्त को गहलोत की सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद से ही यह चर्चा जोरों पर है कि उन्हें पार्टी का अध्यक्ष बनाने पर सहमति बन गई है। सूत्रों ने साफ किया है कि इस बैठक में दोनों के बीच हुई बातचीत में यह मुद्दा शामिल नहीं था। यानी इस बारे में सोनिया और गहलोत के बीच बातचीत होना अभी बाकी है। हालांकि गहलोत सहित गांधी परिवार के करीबी नेताओं की कोशिश अभी भी यही है कि राहुल अध्यक्ष बनने को तैयार हो जाएं।

वरिष्ठ नेताओं से भरोसा मिलाः आलाकमान अध्यक्ष बनाने के साथ कुछ महीने सीएम भी बनाए रखने को तैयार, मुख्यमंत्री बदलने की स्थिति में गहलोत की राय को पूरी तरजीह दी जाएगी।

बता चुके पार्टी का आज्ञाकारी सिपाहीः अशोक गहलोत को शुरुआत से ही गांधी परिवार का 'यस मैन' माना जाता है। अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा चलने के बाद उन्होंने इससे लगातार इनकार तो किया, लेकिन यह भी दोहराया कि वे पार्टी के आज्ञाकारी सिपाही हैं। पार्टी उन्हें जो भी काम देती है वह उसे अनुशासित सिपाही के रूप में पूरा करते हैं। हालांकि वे अभी भी इस बात पर जोर दे रहे हैं कि राहुल ही पार्टी का नेतृत्व करें। वहीं, राहुल ने शुक्रवार को कहा- मैंने अपना फैसला ले लिया है कि मुझे क्या करना है। इसमें कोई कन्फ्यूजन नहीं है।

पायलट की चुप्पी से भी मिल रहे संकेतः कांग्रेस में अध्यक्ष पद को लेकर उठापटक के बीच सचिन पायलट की चुप्पी भी सियासी संकेत छोड़ रही है। पायलट ने गहलोत को अध्यक्ष बनाने की चर्चा पर टिप्पणी नहीं की। उनके जन्मदिन पर भीड़ जुटी। विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, इंद्राज गुर्जर व एससी आयोग के अध्यक्ष खिलाड़ी लाल बैरवा ने उन्हें सीएम बनाने की मांग मुखरता से उठाई।

क्या लव्या शर्मा जीना चाहती थी

कई तथ्य हैं जिनकी गुत्थी बहुत अधिक उलझी है और इसे सुलझाना बेहद ज़रूरी है। 14 वर्ष की मासूम की यह आकस्मिक मौत आज के समाज के मुँह पर तमाचा है कि आख़िर किस दौर में हम जी रहे हैं?शिक्षा का ये कौनसा अंधा कुआँ है जिसमें हर रोज़ न जाने कितने मासूम छलाँग लगाकर इहलीला समाप्त कर लेते हैं और हमारे लिए छोड़ जाते हैं एक प्रश्नों से गूँजता झन्नाटेदार तमाचा!

आज की शैक्षणिक व्यवस्था को कई प्रश्नों में जकड़कर स्वयं जीवन से मुक्त हो गयी 14 वर्षीय मासूम लव्या शर्मा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। लव्या प्रिंस रेजीडेंसी हायर सेकेंडरी स्कूल गोकुलपुरा जयपुर में पढ़ने वाली 14 वर्षीय छात्रा थी। 7 सितम्बर दोपहर 2.30 बजे जब से घर लौटी थी भीतर से उदास थी लेकिन उसकी उदासी चेहरे पर नहीं मन में घमासान मचाये थी। 14 साल की हँसती-खिलखिलाती लव्या नाम के अनुरूप ही थी। 5.30 बजे भाई जिम के लिए निकला तो उसे आवाज देकर गेट लगाने को कहकर गया और लव्या उठकर आई भी। क़रीब 6.00 बजे शाम को लव्या की मित्र पढ़ने के लिए लव्या के पास आई। घर के मुख्य द्वार के साथ-साथ लव्या का कमरा खुला हुआ था जो बाहर से मुख्य सड़क पर खुलता था। लव्या दुनिया छोड़कर जा चुकी थी। पंखे पर झूलती लव्या को देख उसकी मित्र चीखती हुई भागी उसका घर दो-चार घर छोड़कर ही था। मोबाइल से माँ और भाई को सूचना मिली वे सर पर पैर रखकर दौड़े।

निजी अस्पतालों की संवेदनहीनता

- गोकुलपुरा के समीप युवान हॉस्पिटल बच्ची को लेकर घरवाले भागे लेकिन हॉस्पिटल ने संवेदनहीनता दिखाते हुए पुलिस केस बताकर हाथ खींच लिए।
- मैक्स हॉस्पिटल दूसरा विकल्प चुना गया वहाँ भी कोई मदद नहीं मिली। वहाँ से भी परिवार निराश लौट आया।
- आख़िर अंत में लव्या के जीवन ख़त्म होने की पुष्टि हो ही गयी।

क्या यह निजी अस्पतालों की संवेदनहीनता का चरम नहीं था? एसएमएस अस्पताल का हवाला देकर क्या ये निजी अस्पताल इस आत्महत्या के भागीदार नहीं हो गए। हो सकता है उस दौरान बच्ची की अटकी साँसें लौट आतीं इन निजी अस्पतालों में से किसी के भी प्रथम औचक और आकस्मिक उपचार से क्या इस तरह के निजी अस्पतालों पर कार्यवाही नहीं होनी चाहिए?

आत्महत्या के कारणों पर एक नज़र

परिवार वालों ने बताया कि लव्या प्रिंस रेजीडेंसी हायर सेकेंडरी स्कूल गोकुलपुरा जयपुर में पढ़ने वाली छात्रा थी। स्कूल प्रशासन और उसके कुछ अध्यापकों द्वारा लव्या को आये दिन प्रताड़ित किया जाता था। एक अध्यापिका लगातार लव्या को प्रताड़ित करती थी। स्कूल प्रशासन को परिजनों ने कई बार शिक़ायत भी की। लव्या कई बार स्कूल न जाने की बात भी कहती थी। मानसिक प्रताड़ना के साथ-साथ सार्वजनिक रूप से बालिका को जो व्यवहार स्कूल से मिल रहा था वह कई प्रश्न खड़े करता है। इस सम्बंध में विद्यालय प्रशासन से अब तक बात नहीं की जा सकी। लेकिन कुछ गंभीर प्रश्न लव्या दुनिया में छोड़ गई है इन जटिल शैक्षणिक व्यवस्था के ख़िलाफ़ समाज,प्रशासन और सरकार के समक्ष।

- क्या विद्यार्थियों में आत्महत्या का पैमाना बढ़ता नहीं जा रहा?
- क्या दोहरी शिक्षा पद्धति, विद्यालय और कोचिंग ने बालमनों को कुंठा से नहीं भर दिया है?
- बढ़ते एकाकी परिवारों के लिए एकाकीपन और असुरक्षा सबसे बड़ा विषय नहीं है?
- निजी व सरकारी अध्यापकों के असंवेदनशील व्यवहार पर कोई सख़्त नीति बनाने की आवश्यकता आज भी सरकार को नज़र नहीं आती?
- 14 वर्ष की मासूम फाँसी के फंदे तक कैसे पहुँची?
- आख़िर 7 सितम्बर को अपना जीवन समाप्त करने की योजना को कैसे अंजाम दिया उस मासूम बच्ची ने?

प्रशासन की लापरवाही और भ्रष्टता का चरमः

करधनी थाने में 6 दिन तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई। थाने से कॉन्स्टेबल आये और परिजनों से ही ताला माँगकर लव्या के कमरे का ताला लगाकर चले गए। उसके बाद कोई सुध परिवार की पुलिस थाने ने नहीं ली। बल्कि बार-बार कहकर टाला गया कि यह आत्महत्या का मामला है किसी पर कोई केस नहीं बनता। पुलिस प्रशासन की लापरवाही और भ्रष्टता तो जगज़ाहिर है ही लेकिन इसे पुख़्ता किया करधनी थाने ने। हालांकि 12 सितम्बर को परिजनों,स्वयंसेवी संस्थानों के भारी विरोध और मांग, स्टेच्यू सर्कल पर कैंडल मार्च के बाद स्कूल प्रशासन के ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज कर ली गयी।

क्या वाकई यह आत्महत्या का मामला है?

- कहीं लव्या के स्कूल प्रशासन और अध्यापिका की मानसिक प्रताड़ना व अजीब व्यवहार इसकी वजह तो नहीं?
- फाँसी से उतारने पर परिजन ने बताया कि लव्या की जिव्हा और आँखें बाहर नहीं आईं थीं।
- लव्या का सड़क की तरफ़ दरवाज़ा खुला हुआ था।
- जिस समय यह हादसा हुआ उस वक़्त घर में कोई नहीं था।
- जिस पलंग व कुर्सी पर चढ़कर लव्या ने ख़ुदकुशी की उसके व पंखे के बीच अधिक दूरी नहीं थी और लव्या की लंबाई 5'4 इंच लगभग थी।
- क्या घर में 5.30 बजे से 6.30 बजे के बीच कोई आया था जब लव्या घर में अकेली थी?
- क्या आने वाला उस घर का परिचित चेहरा था कि कुत्ता भी उस परिचित को देखकर नहीं भौंका?
- लव्या ने सुसाइड लेटर में क्या लिखा था जो उसकी मित्र जानती है और उस मित्र के कहने पर वह पत्र लव्या ने आत्महत्या से पहले फाड़ दिया?
- क्या लव्या वाकई जीना चाहती थी और उसे किसी ने मौत के घाट उतार कर इसे आत्महत्या का रूप दे दिया?

बेहतर भविष्य के लिए चाहिए अतीत से मुक्ति

सम्पादकीय

कोई भी मत, मज़हब, रिलीजन संविधान से ऊपर नहीं

सर्वोच्च न्यायपीठ में हिजाब पर रोक के विरुद्ध सुनवाई चल रही है। कुछ मुस्लिम छात्राओं ने स्कूलों में हिजाब पहनने पर रोक को चुनौती दी है। कर्नाटक हाई कोर्ट ने स्कूलों में हिजाब पर प्रतिबंध के आदेश को सही बताया था। यह भी कहा था कि हिजाब इस्लाम का अभिन्न अंग नहीं। इससे पहले महिलाओं के लिए त्रासद रहे तीन तलाक पर भी मुकदमेबाजी हुई थी। मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने तीन तलाक को आस्था का विषय बताते हुए कहा था कि तीन तलाक 1400 साल से चली आ रही प्रथा है और आस्था के विषयों पर संवैधानिक नैतिकता एवं समानता का सिद्धांत नहीं लागू होता।

पीठ के पास पवित्र कुरान का अंग्रेजी अनुवाद था। उसकी ओर से प्रश्न आया कि यह प्रथा तो कुरान में नहीं है। तब सिब्बल ने कहा था कि इस्लाम के आरंभ में कबीलाई व्यवस्था थी। यह बात सही है। दुनिया की सभी समाज व्यवस्थाएं विकास के प्रथम चरण में कबीलाई थीं। मानव सभ्यता के प्रथम चरण में जीवन धीरे-धीरे सामूहिक हो रहा था। सभी समाजों में अंधविश्वास थे। वे सभी सामाजिक विकास की तमाम मंजिलें पार करते हुए पुराने अंधविश्वासों से मुक्त होते रहे।

यूरोपीय समाज ने अपनी दार्शनिक चेतना प्राचीन यूनान से पाई। सुकरात ने देव आस्थाओं को जानने पर जोर दिया। उन्हें मृत्युदंड मिला। शिष्य प्लेटो ने सुकरात के विचार का विकास किया। अन्य सभ्यताओं की तरह यूरोप में भी सामंतवाद था। यह विकसित होकर राजतंत्र बना। महिलाओं की स्थिति खराब थी। लाखों निर्दोष महिलाओं को डायन बताकर सार्वजनिक रूप से मारा गया।

मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने अदालत में कहा था कि पुरुषों में निर्णय लेने की क्षमता महिलाओं से बेहतर होती है। यह आपत्तिजनक वक्तव्य है। महिलाएं सभी क्षेत्रों में अहम भूमिका निभा रही हैं। यूरोपीय पृथ्वी की गतिशीलता का तथ्य नहीं जानते थे। गैलीलियो ने बताया कि पृथ्वी गोल है। उनका उत्पीड़न हुआ। पंथिक गुरु पृथ्वी को चपटी मानते थे। कापरनिकस के निष्कर्षों से प्राचीन मान्यताएं धाराशाई हो गईं। सामाजिक विकास के क्रम में यूरोपीय भी वैज्ञानिक तथ्य मानने लगे। पुरानी मान्यताएं कालबाह्य हो गईं।

भारत के वैदिक समाज में गण समूह थे। प्राचीन काल में समुद्र के पार की यात्रा वर्जित थी। कौडिन्य जैसे लोगों ने संस्कृति और दर्शन का विचार लेकर समुद्र पार की यात्रा की। वास्तव में आदर्श समाज नदी के समान प्रवाहमान रहते हैं। कालबाह्य छोड़ते रहते हैं। काल संगत अपनाते हैं। रिलीजन, पंथ या मजहब से जुड़े ग्रंथ अपने उद्भव के समय के उपयोगी विचार हो सकते हैं, लेकिन हजार-दो हजार वर्ष पुरानी मान्यताओं के आधार पर आदर्श समाज का पुनर्गठन नहीं हो सकता।

वैदिक समाज के प्रारंभिक चरण में वर्ण व्यवस्था नहीं थी। उत्तर वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था दिखाई पड़ती है। इसी समय उपनिषद के ऋषियों ने तमाम सामाजिक रूढ़ियों पर हमला किया। बाद में जातियां बनीं। कुछ प्राचीन ग्रंथों में जातिभेद के उल्लेख हैं। इसका विरोध हुआ। भक्ति आंदोलन की प्रेरणा यही प्रथाएं थीं। बुद्ध, शंकराचार्य, नागार्जुन आदि ने नया दर्शन दिया। स्वामी दयानंद ने धार्मिक रूढ़ियों को चुनौती दी। राजा राममोहन राय ने सती प्रथा के विरुद्ध अभियान चलाया। गांधी, आंबेडकर और डा. हेडगेवार आदि ने अपने-अपने ढंग से भारत की सामाजिक चेतना को गतिशील बनाने का काम किया।

बेशक हिंदू जीवन में भी आस्था के तमाम विषय हैं, लेकिन यहां आस्था पर भी बहस की परंपरा है। तर्क और विमर्श में जो काल संगत है, वही सर्वस्वीकार्य है। आस्था बुरी नहीं होती, किंतु उसका आचरण और व्यवहार देशकाल के अनुरूप ही होना चाहिए। भारत में आस्था पर भी सतत संवाद की परंपरा है। सतत संवाद से समाज स्वस्थ रहता है और गतिशील भी। यूरोपीय समाज ने आस्था और विश्वास के साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण को महत्ता दी है। यही स्थिति अन्य विकसित देशों की है। निःसंदेह सभी पंथिक ग्रंथों में तमाम उपयोगी ज्ञान भी हैं। परिस्थिति के अनुसार उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए, लेकिन आज के परिवेश में हम डेढ़-दो हजार वर्ष प्राचीन सामाजिक प्रथाओं में नहीं जी सकते।

इतिहास अतीत होता है। अतीत व्यतीत होता है, मगर जीवन का मुंह भविष्य की ओर होता है। आधुनिक तकनीकी से जानकारियों का विस्फोट हुआ है। दुनिया में प्राचीन मान्यताओं पर विचार-विमर्श हो रहे हैं। जीवन प्रतिपल नया है। चुनौतियां नई हैं और समस्याएं भी। आज के जीवन में देशकाल के सापेक्ष विचार आवश्यक हैं। अपनी विकास यात्रा में मनुष्य ने बहुत कुछ छोड़ा है।

कालबाह्य रूढ़ियां छोड़ी हैं। तमाम पंथिक अंधविश्वास भी छोड़े हैं। अंधविश्वास अचेत मन का परिणाम थे। भारत के मनुष्य ने आस्थामूलक धर्म की भी पड़ताल की है। गीताकार ने धर्म के पराभव को ध्यान से देखा और स्वीकार किया है। गीता में इसे धर्म की ग्लानि कहा गया है। श्रीकृष्ण ने गीता में कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा काल के प्रभाव में नष्ट हो गई और अर्जुन से कहा कि वही ज्ञान मैं तुमको दे रहा हूं।

संप्रति धर्म, मजहब और रिलीजन से जुड़े विषयों पर न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाने की आदत बढ़ी है। विद्वान न्यायाधीश ऐसे विषयों की सुनवाई करते हुए संबंधित पंथ के पवित्र ग्रंथों का सहारा लेते हैं। न्यायपालिका संवैधानिक एवं विधिक विषयों के निर्वचन का केंद्र है। पंथिक आस्था के विषयों पर संविधान और विधि के अनुसार निर्वचन में प्रायः कठिनाई आती है। इस्लामी परंपरा में तमाम अपराधों के लिए सार्वजनिक रूप से दंडित करने का उल्लेख है। क्या इसी प्रथा को लेकर दंड प्रक्रिया संहिता संशोधित हो सकती है? उन्हें दंड संहिता स्वीकार्य है।

समान नागरिक संहिता क्यों नहीं? मान लीजिए कि तीन तलाक का उल्लेख कुरान में होता, तब संविधान के अनुरूप निर्णय में कठिनाई आती। संविधान राष्ट्रधर्म है। कोई भी मत, मजहब, रिलीजन संविधान से ऊपर नहीं है। पंथिक मजहबी मामलों में भी संविधान के अनुसार निर्णय अपेक्षित रहता है। आस्था के विषयों पर भी संवैधानिक प्रविधानों की परिधि में विचार होना चाहिए। माननीय न्यायालयों द्वारा तथ्य खोजने के क्रम में पंथिक मान्यताओं को खंगालना उचित नहीं प्रतीत होता। उन्हें पंथ-मजहब की मान्यताओं के आधार पर सुनवाई से बचना चाहिए।

बस एक सॉरी और बात ख़त्म

जिंदगी में कुछ गलतियां हमारा पीछा कभी नहीं छोड़तीं. हम जिंदगी भर इस पछतावे में जीते रह जाते हैं कि काश ऐसा नहीं होता या काश कि वो कदम मैंने नहीं उठाया होता. दरअसल ऐसा पछतावा हर किसी की जिंदगी का हिस्सा होता है. कुछ लोग इस पछतावे से खुद को उबार लेते हैं और कुछ लोग कश्मकश में खुद को इतना उलझा लेते हैं कि चाहकर भी इससे उबर नहीं पाते. इन पछतावों की वजह से लोग जीवन में आगे बढ़ने की बजाय या तो पीछे रह जाते हैं या सही निर्णय लेने का आत्मविश्वास ही खो देते हैं. इसलिए कहा जाता है कि पछतावों को अगर सही समय पर न छोड़ा जाए तो जिंदगी अपनी रफ्तार नहीं पकड़ पाती. हालांकि बोलना जितना आसान होता है, उसे कर दिखाना उतना ही कठिन. लेकिन कुछ बातें जीवन में अपनाकर आप पछतावों को छोड़कर भविष्य में आगे बढ़ सकेंगे.

गलती स्वीकारने वाला कभी छोटा नहीं होता

LIFESTYLE जोन

स्वीकार करें

अगर आपने किसी के साथ कुछ गलत किया है या आपको लगता है कि आपके किसी निर्णय की वजह से किसी का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है तो इस पछतावे से उबरने के लिए आपके पास एकमात्र विकल्प माफी मांगना है. आप जबतक माफी नहीं मांगते, पछतावा आपका पीछा नहीं छोड़ेगी और आप जिंदगी भर परेशान रहेंगे. आप खुद की गलती को अगर स्वीकार करते हैं तो यह आपकी बहुत बड़ी जीत होगी. आप इगो छोड़कर दोस्तों या परिवार वालों के सामने इसे स्वीकार करें, आपको निश्चित रूप से शांति मिलेगी.

खुद को करें माफ़

पछतावे से बाहर आने का सबसे कारगर नियम है खुद को माफ करना. आपको यह सोचना होगा कि तब आप नादान थे और गलतियां किसी से भी हो सकती हैं.

लिखें और विचार करें

आपको लाइफ में जिस बात का पछतावा है, उन सभी को एक जगह लिखें और एक-एक कर उस सिचुएशन में दुबारा जाएं जब आपने ये निर्णय लिया था. आपको समझ आएगा कि दरअसल यह समय की मांग थी जिसका आपके निर्णय से कोई लेना-देना नहीं. यह भी समझ आएगा कि दरअसल ये तो पछतावा की वजह ही नहीं है.

क्या सीखा

डायरी में यह भी लिखें कि जिस बात का आपको पछतावा है, दरअसल आपने उस घटना या निर्णय से सीख ली या नहीं! अगर आप सकारात्मक होकर इसे जीवन की सीख समझकर आगे बढ़ेंगे तो यकीन मानिए, इतिहास में लिया गया यह गलत निर्णय भविष्य में आपकी ताकत बन सकता है.

BEAUTY टिप्स

✦ एलोवेरा जेल को रिकन पर कभी भी लगा सकते हैं. अगर आपकी नॉर्मल रिकन है तो आप इसे मॉइश्चराइजर की जगह भी इस्तेमाल कर सकते हैं. रात को सोने से पहले इससे अपनी रिकन की मसाज करके सोएं. अगर आपके घर में एलोवेरा का पौधा है तो आप उसकी एक डंडी तोड़ें और उससे जेल को निकालकर चेहरे पर लगा लें.

✦ रोजाना शहद का सेवन करने से या शहद को फेस में लगाने से पिंपल्स की समस्या से राहत पा सकते हैं.

✦ हल्दी के साथ बेसन और पानी मिलाकर इसका स्क्रब बना लें. फिर इसे चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट के बाद जब यह सूख जाए तो हौले से रगड़ते हुए धो लें. यह उबटन आपकी रिकन पर ग्लो ला सकता है.

✦ कच्चे दूध, बेसन और शहद को मिलाकर एक पैक तैयार कर लें, अब इसे चेहरे पर लगा लें. 15 मिनट बाद इसे धो लें, चेहरा निखर उठेगा. इस पैक को हफ्ते में एक या दो बार भी लगा सकते हैं, रिकन में नमी बनी रहेगी.

KITCHEN टिप्स

✦ गाजर, मूली, खीरे, ककड़ी आदि के पतले कतलों को थोड़ से शहद, कुचली लहसुन की कलियों, सेंधा नमक, साबुत काली व लाल मिर्च के साथ नींबू या सिरके की खटास में धनिए-पुदीने के पेस्ट से चटपटा सलाद या अचार बनाया जा सकता है.

✦ आलू, गोभी, ब्रोकली, शकरकंद, गाजर, बींस, कद्दू, बैंगन आदि को छौंकने के लिए तेल की कुछ बूंदें ही काफी हैं. जीरा, अजवाइन, करीपत्ता, मोटी कुटी कालीमिर्च, धनिया और मेथी के साथ धीमी आंच पर भूनने या बेक करने से इनका स्वाद और बढ़ेगा. साइड डिश की तरह खाइए या फिर दाल के पानी में उबालकर सूप बनाएं.

✦ भारतीय रसोई की दाल उत्तम सूप है. सादे पानी में सब्जियों के छिलके उबालकर स्टौक बनाकर रखें. उसमें दाल या सब्जी अधिक रुचिकर बनेगी. घी, मक्खन या मलाई का विकल्प है गाढ़ा दही.

✦ सादे बेसन या दाल की पकौड़ियों को तलने के बजाय भाप में या खौलते खुले पानी में पकाएं या फिर ढोकले सरीखी बनाकर तवे पर हलकी चिकनाई लगा सेंककर या वैसे ही खाएं.

✦ भरता केवल आलू या बैंगन का ही नहीं, अन्य सब्जियों का भी बन सकता है. गोभी, कद्दू, लौकी, तुरई, गाजर, मटर आदि का अलग-अलग या मिलाजुला बनाएं. काले चनों, चुकंदर, राजमा, लोबिया या मूंग की दाल का भी कम स्वादिष्ट न होगा.

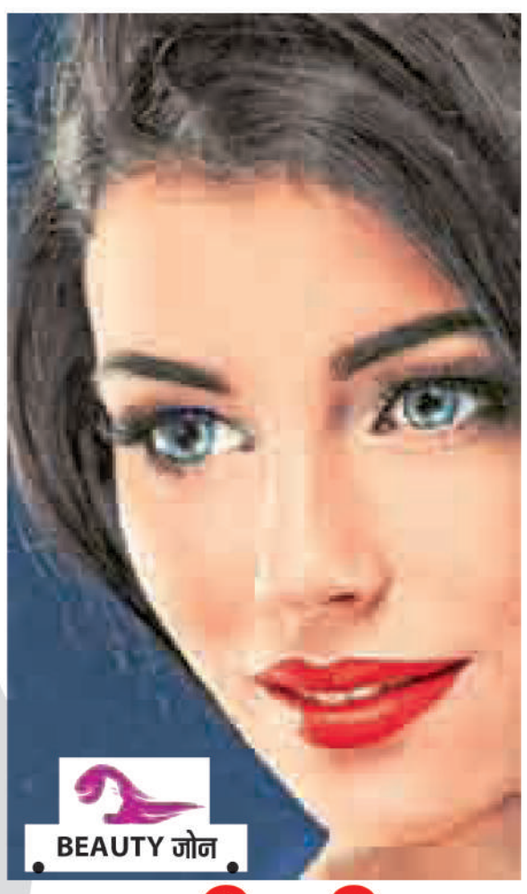

BEAUTY जोन

लाल लिपस्टिक का जादू

ख़ास मौकों पर ढाता है ग़ज़ब

कभी आपने सोचा है कि किसी सोशल गैदरिंग में आमतौर पर हमेशा प्रियंका चोपड़ा से लेकर कैटरीना कैफ और दीपिका पादुकोन तक होंठों पर लाल लिपस्टिक लगाना ही क्यों चुनती हैं? दरअसल लाल रंग होंठों पर बहुत ज्यादा फबता है. लाल रंग में खास किस्म का आकर्षण होता है तथा एनर्जेटिक फीलिंग देती है. यही वजह है कि मशहूर सेलिब्रिटीज व फिल्मी हीरोइनें ही नहीं, आम युवतियां भी किसी खास मौके पर लाल रंग की लिपस्टिक लगाती हैं. बॉलीवुड की तरह हॉलीवुड की हीरोइनें भी चाहे एंजेलिना जॉली हों या काइली मेनोग, इन्हें भी लाल रंग की लिपस्टिक ही सबसे ज्यादा आकर्षित करती है. पिछली सदी के पांचवें-छठवें दशक में हॉलीवुड पर राज करने वाली मर्लिन मुनरों भी लाल रंग की ही लिपस्टिक लगाती थीं.

- वास्तव में लाल लिपस्टिक आकर्षक लुक का पर्याय है. गोरी युवतियों को लाल रंग की लिपस्टिक उन्हें और भी ज्यादा गोरा बना देती है. लेकिन लाल रंग की लिपस्टिक सिर्फ गोरी युवतियों पर ही नहीं, बल्कि सांवली लड़कियों को भी स्मार्ट लुक देती है. लाल लिपस्टिक अपना जादू भरपूर तौर पर दिखा सके, इसके लिए कई चीजों का ध्यान रखना जरूरी होता है.
- लिपस्टिक आपको आकर्षक लुक तभी दे सकती है जब आपके बालों पर इस्तेमाल किए गए सभी एक्सेसरीज और आउटफिट सब कुछ सही हों. एक्सेसरीज के रंगों का सही मिश्रण ही आपको पर्फेक्ट लुक देने में सहयोग कर सकता है.
- लिपस्टिक लगाते समय इसे इतनी डार्क न करें जिससे होंठ भद्दे लगें. यूं तो लिप लाइनर हमेशा होंठों की शेप को शानदार बनाने में सहायक होता है, मगर रेड लिपस्टिक के साथ ऐसा नहीं है. रेड लिपस्टिक बिना लाइनर के लगाना ही बेहतर रहता है.
- यह बात भी जान लें कि रेड लिपस्टिक का मतलब यह नहीं है कि किसी भी किस्म का लाल रंग होंठों को भा जाएगा. असल में रेड कलर की फैमिली में भी यह जानना जरूरी है कि होंठों पर कौन सा लाल ज्यादा अच्छा दिखता है? कुछ महिलाओं को यह भी लगता है कि लाल रंग उन पर अच्छा नहीं लगता. हालांकि ऐसा नहीं है. वास्तव में लाल रंग की फैमिली से सही रंग का चयन करने की जरूरत है.
- सौंदर्य विशेषज्ञों की मानें तो सही पर्फेक्ट रेड का चयन करना भी एक कला है. वास्तव में जैसा आपका रिकन टोन है, वैसा ही रेड

कलर का चयन होना चाहिए. वही हमारे चेहरे को सूट करता है.

4 हफ्तों का फिटनेस प्लान

मोटापा मॉडर्न युग का रोग है, जो हर तरह की बीमारी को न्योता देता है. अगर कम समय में स्लिम-ट्रिम बनना चाहते हैं तो आपको ऐसे फिटनेस प्लान की जरूरत है जो 4 हफ्तों में आपके फिटनेस से जुड़े सपने को पूरा कर दे. एक बार मोटे हो जाएं तो फिर नॉर्मल शरीर पाना बहुत कठिन हो जाता है. लेकिन कुछ उपाय ऐसे हैं, जिनसे सिर्फ 4 हफ्ते में 4 किलोग्राम वजन कम करने में कामयाब हो सकते हैं.

बीएमआर बढ़ाएं

वजन कम करना चाहते हैं, तो सबसे पहले अपने बीएमआर यानी बेसल मैटाबोलिक रेट को बढ़ाना जरूरी है. इसे बढ़ाने के लिए अपनी दिनचर्या और खानपान में बदलाव लाने की जरूरत है. ओवरईटिंग न करें, तरल पदार्थों का सेवन बिना सोचे-समझे न करें, कृत्रिम शुगर लेने से बचें, ब्रेकफास्ट मिस न करें.

4 बातों का ध्यान

रोज सुबह 1 गिलास कुनकुने पानी में नींबू का रस और शहद मिलाकर पीएं, संतुलित आहार का सेवन करें. स्नैक्स में पौष्टिक चीजों का सेवन करें, जैसे सलाद, गाजर, खीरा, ककड़ी, भुने चने, मुरमुरा आदि. डाइट के साथ एक्सरसाइज भी शुरू कर दें. एक्सरसाइज से पहले जंप करना, टहलना, बॉडी स्ट्रेच आदि से खुद को वार्मअप करना न भूलें. इससे बॉडी में गरमाहट आएगी.

4 चीजें करें

फिजिकल एक्टिविटीज : वजन कम करने के लिए जितना जरूरी खानपान पर नियंत्रण रखना है, उतना ही जरूरी है शरीर को एक्टिव रखना भी. अतः रोज कम से कम 30 मिनट व्यायाम जरूर करें.

भोजन में अंतराल : नियमित अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाते रहना चाहिए ताकि शरीर को नियमित ऊर्जा मिलती रहे और वह निरंतर सही तरीके से चलता रहे.

बॉडी को हाइड्रेट रखें : अपनी बॉडी को हाइड्रेट करने के लिए रोज कम से कम 4-5 लीटर पानी जरूर पीएं. इससे शरीर के टॉक्सिन और हानिकारक चीजें बाहर निकल जाती हैं.

डाइट : फिट रहने के लिए संतुलित डाइट का सेवन जरूरी है. आपकी डाइट में फाइबरयुक्त भोजन जैसे, चोकर, सब्जियां और फल जरूर होने चाहिए. कार्बोहाइड्रेट के बजाय प्रोटीनयुक्त भोजन का सेवन अधिक करना चाहिए. रोज पपीता और सेब जरूर खाएं. नींबू पानी, लस्सी, छाछ, ग्रीन टी, कोल्ड कॉफी को मिलाकर रोज 15-16 गिलास पानी का सेवन वजन कम करने के लिए जरूरी है.

TODAY'S रेसिपी

सौंफ-काजू करी

सामग्री- 4-5 उबले आलू या 150 ग्राम पनीर, 1-1 छोटा चम्मच जीरा व सौंफ, 10-12 काजू, 1/2-1/2 छोटा चम्मच नमक व गरम मसाला, 3-4 कली लहसुन, 1/2 छोटा चम्मच अदरक पिसा, 1 प्याज पिसा, 11/2 बड़ा चम्मच ऑलिव ऑइल.

विधि- तेल गरम करें व आलू के कतले टुकड़े काट कर तलें या पनीर के टुकड़े काट कर रखें. भीगे काजू, सौंफ, जीरा, नमक, गरम मसाला, अदरक, लहसुन, प्याज एकसाथ पीसें. गरम तेल में पेस्ट डाल कर सभी मसालों के साथ भूनें. जब मसाला भुन जाए तब 1/2 गिलास पानी डाल कर उबालें. करी तैयार हो गई. तले आलू या पनीर डालकर परोसें.

भरवां कुलचा

सामग्री - 6 कुलचे, 1/2 कप हंग-कर्ड, 1/2 कप घर का बना पनीर, 1/2 कप कद्दूकस की हुई गाजर, 2-2 बड़े चम्मच लाल-हरी-पीली शिमला मिर्च बारीक कटी (अथवा कोई एक शिमला मिर्च या बंदगोभी ले लें), 2 बारीक कटी हरीमिर्च, 1 छोटा चम्मच अदरक कद्दूकस की हुई, 1/4 छोटा चम्मच कालीमिर्च चूर्ण, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हरा धनिया, नमक स्वादानुसार और 1 बड़ा चम्मच मक्खन.

विधि- हंगकर्ड में उपरोक्त लिखी सभी सामग्री अच्छी तरह मिला लें. कुलचे की ऊपरी सतह पर ब्रश से मक्खन लगा दें. एक कुलचे पर हंगकर्ड वाला मिश्रण रखें और दूसरे कुलचे से ढक दें. ग्रिल्ड टोस्टर में कुलचे रख कर ग्रिल करें. इन्हें काट कर सॉस या चटनी के साथ सर्व करें.

राजमा काठी रोल

सामग्री- भरावन : 150 ग्राम उबला व मोटा मसला हुआ राजमा, 1 छोटा चम्मच बारीक कटा अदरक, 1 छोटा चम्मच कटा लहसुन, 2 बड़े चम्मच बारीक कटा प्याज, 2 बड़े चम्मच टोमैटो सॉस, नमक स्वादानुसार.

रोटी के लिए : 1/2 कप आटा, 1/2 कप बारीक कतरा सोया, 1/2 छोटा चम्मच नमक, 2 छोटे चम्मच घी मोयन के लिए और काठी सेंकने के लिए 1 बड़ा चम्मच रिफाइंड ऑइल.

विधि- आटे में नमक, मोयन का घी व सोया डाल कर रोटी की तरह आटा गूंथ कर रख लें. तेल गरम करके प्याज अदरक लहसुन भूनें. फिर मसला हुआ राजमा, टोमैटो सॉस डाल दें. मिश्रण को सुखा लें व इसमें हरा धनिया बुरक दें. आटे की लोई बनाकर बेलें व तवे पर कच्ची-पक्की उलट-पलट कर सेंकें. हर रोटी पर थोड़ा सा मिश्रण रखें और रोटी रोल करें, घी या बटर लगाकर थोड़ा और सेंकें. चटनी या सॉस के साथ सर्व करें.

मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजना का लोकार्पण

आवासन मण्डल ने साकार किया सीएम का संकल्प: मंत्री शांति धारीवाल

समाज को दिशा देने वाले वर्गों को मिले सुविधाजनक आवास, नगरीय विकास मंत्री, शिक्षा मंत्री और गृह राज्यमंत्री ने की आवासन आयुक्त की मुक्तकंठ से प्रशंसा, आवासन आयुक्त की लीडरशिप में मेहनत और लगन से काम कर रही मण्डल की टीम

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री श्री शान्ति धारीवाल ने कहा कि राजस्थान आवासन मण्डल मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के विजन एवं संकल्प को साकार करने की दिशा में लगातार मजबूती से कदम आगे बढा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एवं प्रहरी समाज को नई दिशा देने का काम करते हैं। इन दोनों वर्गों को रियायती दरों पर आवास सुविधा प्रदान करने के मुख्यमंत्री के सपने को मण्डल ने कोविड महामारी से उत्पन्न विषम परिस्थितियों के बावजूद मात्र दो साल के रिकॉर्ड समय में पूरा किया है। यह दर्शाता है कि आवासन आयुक्त श्री पवन अरोडा के नेतृत्व में आवासन मण्डल की टीम किस मेहनत और लगन के साथ काम कर रही है।

धारीवाल गत गुरूवार को प्रताप नगर के सेक्टर-26 में मुख्यमंत्री शिक्षक एवं प्रहरी आवासीय योजना के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर नगरीय विकास मंत्री श्री धारीवाल, शिक्षा मंत्री श्री बी.डी. कल्ला, गृह राज्य मंत्री श्री राजेन्द्र यादव, विधायक श्रीमती गंगा देवी, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास श्री कुंजीलाल मीणा एवं आवासन आयुक्त श्री पवन अरोडा ने 8 आवंटी शिक्षकों एवं 6 प्रहरियों को फ्लैट की चाबी एवं कब्जा पत्र प्रदान किये।

मात्र 15 लाख 70 हजार रूपये में सुविधाजनक फ्लैटः सभी अतिथियों ने योजना परिसर तथा इसमें निर्मित फ्लैट्स, स्वीमिंग पूल, बास्केटबॉल कोर्ट, ओपन जिम एवं अन्य सुविधाओं को देखा और इनकी खुले दिल से सराहना की। सभी ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि मात्र 15 लाख 70 हजार रूपये की कीमत में मण्डल ने इतने सुविधाजनक आवास उपलब्ध कराए हैं।

कोरोना की विषम परिस्थितियों में भी रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ प्रोजेक्टः नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि युवा पीढी को राष्ट्र निर्माण के लिये तैयार करने वाले शिक्षकों तथा कानून का इकबाल कायम रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिस जवानों के लिए इस आवासीय योजना की घोषणा मुख्यमंत्री श्री गहलोत ने 20 दिसम्बर 2019 को की थी। दुर्भाग्य से इसके तीन माह बाद ही कोरोना ने दस्तक दे दी और लॉकडाउन के कारण पूरी दुनिया में आर्थिक एवं विकास की गतिविधियां ठहर गईं थी। आवागमन के साधन बंद थे। साइट पर काम करने के लिए मजदूर नहीं मिल रहे थे। इन कठिन और मुश्किल हालातों में भी आवेदन आमंत्रित करने और टेंडर प्रक्रिया फाइनल करने से जुड़े सभी जरूरी काम मात्र 5 माह की अल्पावधि में ही पूर्ण कर लिए गए और 27 मई 2020 को योजना का मैंने शिलान्यास किया।

धारीवाल ने कहा कि इसी दौरान कोरोना के दूसरे लॉकडाउन के कारण एक साल तक सभी आर्थिक एवं निर्माण गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित रहीं। इसके बावजूद इस प्रोजेक्ट में ग्राउंड लेवल पर लगातार काम जारी रहा और आज नतीजा सबके सामने है। बमुश्किल दो साल बाद ही तयशुदा समय पर 2बीएचके के कुल 576 फ्लैट निर्मित कर लिए गए हैं। यह सब आवासन मण्डल के कार्मिकों की कार्यप्रणाली में आए सुखद बदलाव और प्रोफेशनल एप्रोच के कारण संभव हुआ।

नगरीय विकास मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप मात्र 15 लाख 70 हजार रूपए की रियायती दर पर यह फ्लैट आवंटित किए गए हैं। इस तरह की सुविधाएं इस रेट में प्राइवेट बिल्डर्स भी उपलब्ध नहीं करा पाते। इन सुविधाओं के साथ इस श्रेणी के फ्लैट का बाजार मूल्य 25 से 26 लाख रूपए है।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री बी.डी. कल्ला ने कहा कि आवासन मण्डल ने जिस समयबद्धता और गुणवत्ता के साथ फ्लैट्स का निर्माण कर शिक्षकों और प्रहरियों को लाभान्वित किया है, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने इसके लिये आवासन आयुक्त की सराहना की। गृह राज्यमंत्री श्री राजेन्द्र सिंह यादव ने प्रदेश के अन्य शहरों में भी विशिष्ट वर्गों की आवास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये इस तरह की आवासीय योजनाएं लाने पर जोर दिया। बगरू विधायक श्रीमती गंगा देवी ने भी आवासन मण्डल की भूमिका को सराहा।

576 फ्लैट्स के बडे प्रोजेक्ट का समय पर पूरा होना टीम आरएचबी की बडी सफलता - आवासन आयुक्तः इससे पहले आवासन आयुक्त श्री पवन अरोडा ने रिकॉर्ड समय पर पूरे हुए इस प्रोजेक्ट की सफलता का श्रेय मण्डल की टीम को दिया। उन्होंने कहा कि कोरोना के बाद की परिस्थितियों में राज्य में निजी बिल्डर्स भी अपने बडे हाउसिंग प्रोजेक्टों को समय पर पूरा नहीं कर पा रहे है।

मुख्यमंत्री द्वारा सौंपे दायित्व को अरोड़ा ने बखूबी अंज़ाम दिया

धारीवाल ने कहा कि हमारी सरकार को आवासन मण्डल किन हालातों में मिला। कई मौकों पर इसके बारे में मैंने विस्तार से चर्चा की है। हमें यह जर्जर और खस्ताहाल हालत में मिला था। मकान बिक नहीं रहे थे, खजाना खाली हो चुका था। ऐसे में आवासन मण्डल को पुर्नजीवित करने की प्रतिबद्धता के साथ मुख्यमंत्री श्री गहलोत ने पहली कैबिनेट बैठक में मुझसे कहा कि क्या हम आवासन मंडल को रिवाईव कर सकते हैं ? इस पर मैंने कहा कि क्यों नहीं। बस मुझे योग्य एवं कार्यकुशल अधिकारी चाहिए। इस पर मुख्यमंत्री जी ने पवन अरोडा जी को आवासन मण्डल का दायित्व सौंपा और श्री अरोडा ने यह काम बखूबी कर दिखाया है। आज आवासन मण्डल अपनी रिवायवल की स्टेज से भी ऊपर पहुंच चुका है। जिस आवासन मण्डल के मकानों को लोग लेने के लिये तैयार नहीं होते थे आज उनके लिये लोगों में होड मची है। मण्डल कोचिंग हब, जयपुर चौपाटी, विधायक आवास, कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, एआईएस रेजीडेंसी जैसे लीक से हटकर प्रोजेक्टों पर काम कर रहा है। उन्होंने मानसरोवर में हाल ही में 488 करोड रूपये में व्यावसायिक भूखण्ड की नीलामी, कोचिंग हब ऑर्केड के शोरूम्स के सफल ई-ऑक्शन, 1500 करोड रूपये की सम्पत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कराने जैसी सफलताओं की भी सराहना की।

राजस्थान में अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों को मिलेगी स्कॉलरशिप

जयपुर। राजस्थान के अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों को प्री-मैट्रिक एवं पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा स्कॉलरशिप के लिए तैयार अधिसूचना को मंजूरी प्रदान की है।

पोस्ट मैट्रिक में 13,500 रूपए तक की छात्रवृत्तिः पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत अधिस्वीकृत पत्रकारों के बच्चों को स्कॉलरशिप दी जाएगी। इसमें हॉस्टलर्स को 4,000 से 13,500 रूपए तक तथा डे स्कॉलर्स को 2,500 से 7,000 रूपए तक का प्रावधान है। पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना को चार वर्गों में बांटा गया है। स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के प्रोफेशनल डिग्री कोर्सेज के लिए हॉस्टलर्स को 13,500 रूपए व डे स्कॉलर्स को 7,000 रूपए की स्कॉलरशिप दी जाएगी। विभिन्न प्रोफेशनल कोर्सेज जिनमें डिग्री व डिप्लोमा सर्टिफिकेट मिलता हो, में अध्ययनरत हॉस्टलर्स को 9,500 रूपए व डे स्कॉलर्स को 6,500 रूपए की स्कॉलरशिप मिलेगी। वहीं, 10वीं कक्षा के बाद किए जाने वाले विभिन्न नॉन डिग्री कोर्सेज के लिए हॉस्टलर्स को 4,000 रूपए व डे स्कॉलर्स को 2,500 रूपए की वार्षिक छात्रवृत्ति तथा अन्य स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्सेज कर रहे हॉस्टलर्स के लिए 6,000 रूपए व डे स्कॉलर्स के लिए 3,000 रूपए की स्कॉलरशिप का प्रावधान किया गया है।

6 से 10वीं तक के विद्यार्थियों को प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिपः प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप के अंर्तगत अधिस्वीकृत पत्रकारों के कक्षा 6 से 10वीं में अध्ययनरत बच्चों को स्कॉलरशिप मिलेगी। इसमें एक वर्ष में अधिकतम 10 माह लगभग 1000 रूपए (100 रूपए प्रतिमाह) की प्री-मैट्रिक स्कॉलरशिप दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने बजट 2022-23 में समाज को जागरूक करने में पत्रकारों की महत्ती भूमिका को ध्यान में रखते हुए उन्हें सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में पत्रकारों के बच्चों हेतु स्कॉलरशिप देने की घोषणा की थी। इसकी क्रियान्विति में राजस्थान पत्रकार एवं साहित्यकार कल्याण कोष से पत्रकारों के बच्चों को स्कॉलरशिप देने के लिए स्वीकृति प्रदान की है।

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास-सबको आवास

जयपुर के प्रताप नगर में विकसित देश के पहले

इन्तज़ार की घड़ियां समाप्त

कोचिंग हब

में निर्मित

संस्थानिक सम्पत्ति की आवंटन प्रक्रिया प्रारम्भ

आवंटन लॉटरी द्वारा

ऑनलाइन आवेदन 30 सितम्बर, 2022 तक

फोटो प्रतीकात्मक

उपलब्ध कोचिंग परिसरों (परिसम्पत्तियों) का विवरण :

क्र. सं.	निर्मित क्षेत्रफल का वर्गीकरण	उपलब्ध संख्या	सुपर बिल्टअप क्षेत्रफल (वर्गफीट)	दर प्रति वर्गफीट	कीमत (रुपयों में)
1(a)	Type-I (Ground &1st Floor)	16	8025.56	4619.69	3,70,75,600/-
1(b)	Type-I (2nd & 3rd Floor)	14	8025.56	4490.69	3,60,40,300/-
2	Type-II	40	4012.72	4233.86	1,69,89,300/-
3	Type-III	20	2808.79	4233.92	1,18,92,200/-
4	Type-IV	10	2409.91	4233.85	1,02,03,200/-
5	Type-V	20	2424.65	4233.84	1,02,65,600/-
6	Type-VI	20	1588.06	4233.90	67,23,700/-

नोट :- उपरोक्त कीमत के अतिरिक्त नगर निगम को देय 15 प्रतिशत राशि एवं अन्य विविध व्यय पृथक से देय होंगे।

आवेदन के लिए पात्रता

- जयपुर शहर में संचालित कोचिंग संस्थानों को वरीयता • कम से कम तीन वर्षों से कोचिंग के क्षेत्र में कार्यरत एवं पंजीकृत संस्थान

शर्तें/भुगतान प्रक्रिया

- पंजीकरण हेतु आवेदन शुल्क 5000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- प्रोसेसिंग फीस राशि 10000/- रुपये (18% GST अतिरिक्त)
- आवेदक उपरोक्त तालिका में दर्शायी 6 श्रेणियों में से किसी एक श्रेणी में ही आवेदन कर सकेगा
- प्रत्येक श्रेणी में लॉटरी द्वारा आवेदकों की वरीयता निर्धारित की जायेगी
- वरीयता निर्धारण पश्चात् सफल आवेदकों को संस्थानिक सम्पत्ति का आवंटन लॉटरी द्वारा किया जायेगा
- 50 प्रतिशत राशि (पंजीकरण राशि समायोजित करते हुए) आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 120 दिवस में जमा करानी होगी
- शेष 50 प्रतिशत राशि आवंटन पत्र जारी होने की तिथि से 180 दिवस में जमा करानी होगी
- आवंटन पश्चात् संस्था आवंटित क्षेत्रफल में आन्तरिक साज-सज्जा का कार्य करवा सकेगी। परन्तु आवंटित परिसम्पत्ति का विधिवत कब्जा सम्पूर्ण राशि जमा कराने के पश्चात् ही दिया जा सकेगा
- आवंटी संस्था द्वारा विधिवत कब्जा प्राप्त करने से तीन माह की अवधि में संस्था संचालन की कार्यवाही करनी अनिवार्य होगी

आवंटन प्रक्रिया में भाग लेने, विस्तृत नियम एवं शर्तों के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें

हेल्प लाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 0141-2740009 कार्यालय समय उपरान्तः (सायं 6:00 से 8:00 बजे तक) 9461054291 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी, श्री भारत भूषण जैन (9828363615) आवासीय अभियंता, श्री प्रकाश चौधरी (9983993886) से सम्पर्क करें।
मौका दिखाने के लिए साइट पर हैल्प डेस्क की व्यवस्था।

RERA Website: www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2022/2068

राजस्थान संवाद

जयपुर एयरपोर्ट से एक साथ 5 नई फ्लाइट होंगी शुरू

1 अक्टूबर से मुंबई की 3, उदयपुर और अहमदाबाद की 1-1 फ्लाइट

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर एयरपोर्ट से एक साथ 5 नई फ्लाइट शुरू होंगी। 1 अक्टूबर से विस्तारा एयरलाइन की फ्लाइट संचालन शुरू करेगी। अब 1 अक्टूबर से जब प्रदेश में पर्यटन सीजन रफ्तार पकड़ेगा, तब हवाई यातायात में भी बढ़ोतरी होगी। 3 फ्लाइट मुंबई और एक-एक फ्लाइट उदयपुर, अहमदाबाद के लिए शुरू होंगी। मुंबई के लिए जयपुर से हर दिन 7 फ्लाइट हैं। जयपुर से देश के अलग-अलग 17 शहरों के लिए रोजाना औसतन 48 फ्लाइट संचालित होती हैं। हालांकि इनमें से 3 से 4 फ्लाइट रद्द होने की स्थिति में अधिकतम 44 फ्लाइट ही संचालित हो पाती हैं। लेकिन 1 अक्टूबर से फ्लाइट संचालन की यह संख्या 53 हो जाएगी। इसमें खास बात यह है कि 1 अक्टूबर से जो 5 नई फ्लाइट शुरू हो रही हैं, उनमें 2 फ्लाइट विस्तारा एयरलाइन की हैं। जयपुर से इंडिगो, स्पाइसजेट, गो फर्स्ट, एयर एशिया और एयर इंडिया की फ्लाइट संचालित होंगी।

- विस्तारा की फ्लाइट दोपहर 3:05 बजे और शाम 8:40 बजे मुंबई जाएगी।
- जयपुर से शाम 6:45 बजे मुंबई जाएगी।
- सुबह 11:15 बजे अहमदाबाद जाएगी।
- सुबह 10:35 बजे उदयपुर जाएगी।

9 साल बाद राजस्थान के 4000 युवाओं को मिलेगी नियुक्ति

पंचायती राज विभाग जिलेवार जारी करेगा वेटिंग लिस्ट, सबसे ज्यादा 442 पदों पर जोधपुर में होगी LDC भर्ती

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के युवाओं का 9 साल लंबा इंतज़ार खत्म हो गया है। पंचायती राज विभाग में लंबित चल रही एलडीसी भर्ती प्रक्रिया एक बार फिर शुरू हो गई है। जिसके तहत प्रदेशभर में 4000 पदों पर युवाओं को नौकरियां दी जाएंगी। भर्ती प्रक्रिया में 2013 में ही आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिलेगी। जिसके लिए जल्द ही जिलेवार वेटिंग लिस्ट जारी की जाएगी।

दरअसल, 2013 में राजस्थान सरकार ने 18 हजार से ज्यादा पदों पर एलडीसी की भर्ती निकाली थी। बोनस अंकों को लेकर भर्ती प्रक्रिया का विवाद कोर्ट में चला गया। जिसके बाद महज 6000 पदों पर ही अभ्यर्थियों को नियुक्ति मिल पाई थी। इसके बाद से ही राजस्थान के बेरोजगार भर्ती प्रक्रिया को फिर से शुरू करने की मांग को लेकर संघर्ष कर रहे थे। पिछले दिनों कैबिनेट की बैठक में 4000 पदों पर वेटिंग लिस्ट जारी करने का फैसला किया गया। जिसके बाद आज जिलेवार अभ्यर्थियों की वेटिंग लिस्ट की संख्या जारी की गई है।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया को लेकर हमने जयपुर से लखनऊ तक संघर्ष किया। जिसके बाद सरकार ने 4000 पदों पर वेटिंग लिस्ट जारी करने का फैसला किया है। जो स्वागत योग्य है। लेकिन अब भी 6000 से ज्यादा पदों पर भर्ती लंबित है। जिसे जल्द से जल्द पूरा करना चाहिए। ताकि पिछले 9 साल से नौकरी का इंतजार कर रहे युवाओं को न्याय मिल सके।

‘जोधपुर में झूठ से परिपूर्ण भाषण दिया’ CM गहलोत का अमित शाह पर पलटवार

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। सीएम गहलोत ने अमित शाह के आरोपों पर पलटवार भी किया है। सीएम गहलोत ने कहा कि अमित शाह ने उदयपुर की घटना का जिक्र किया। जब श्री कन्हैयालाल की हत्या के अगले दिन भाजपा के नेतागण हैदराबाद के फाइव स्टार होटल में लंच और डिनर करते हुए बैठक कर रहे थे। मैं स्वयं, गृह राज्य मंत्री, चीफ सैक्रेट्री, डीजीपी श्री कन्हैलाल के घर शोक मना रहे थे तब भाजपा नेतागण हैदराबाद के फाइव स्टार होटलों में आराम फरमा रहे थे। उदयपुर घटना के मुख्य आरोपी रियाज अत्तारी भाजपा का सक्रिय सदस्य था। घटना से एक महीने पहले मकान मालिक के साथ रियाज अत्तारी का विवाद हुआ तब भाजपा के स्थानीय नेताओं ने थाने में फोन कर उसके खिलाफ मामला दर्ज ना करने का दबाव पुलिस पर बनाया। रियाज अत्तारी की भाजपा में शामिल होते हुए तस्वीरें पूर्व में सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी हैं।

अनिवार्य पंजीकरण की नीति से बढ़ी संख्याः अपराध के आंकड़ों को लेकर अमित शाह ने टिप्पणियां कीं। उनकी जानकारी के लिए यह बताना आवश्यक है कि राजस्थान में FIR के अनिवार्य पंजीकरण की नीति के बावजूद 2021 में 2019 की तुलना में करीब 5% अपराध कम दर्ज हुए हैं जबकि MP, हरियाणा, गुजरात, उत्तराखंड समेत 17 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में अपराध अधिक दर्ज हुए हैं। गुजरात में अपराधों में करीब 69%, हरियाणा में 24% एवं MP में करीब 20% की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। भाजपा शासित राज्यों में अपराध के नए रिकॉर्ड कायम हो रहे हैं एवं कार्रवाई के लिए पीड़ितों को थानों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। श्री अमित शाह की जानकारी में होगा कि हत्या, महिलाओं के विरुद्ध अपराध एवं अपहरण में उत्तर प्रदेश देश में सबसे आगे है। सबसे अधिक कस्टोडियल डेथ्स गुजरात में हुई हैं। नाबालिगों से बलात्कार यानी पॉक्सो एक्ट के मामले में मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है जबकि राजस्थान 12वें स्थान पर है। SC के खिलाफ अपराधों में उत्तर प्रदेश प्रथम है, ST के खिलाफ अपराधों में मध्य प्रदेश प्रथम है। दहेज हत्या के मामलों में उत्तर प्रदेश पहले नंबर पर है।

राहुल गांधी की यात्रा से बौखलाहट बढ़ी

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने राज्य को 23 मेडिकल कॉलेज दिए हैं। यहां भी उनके भाषण लिखने वाले व्यक्ति ने गलती कर दी। Establishment of new medical colleges attached with existing district referral hospitals स्कीम के तहत यूपीए सरकार ने हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने का काम शुरू किया। पहले इसका फंडिंग पैटर्न केन्द्र और राज्य के बीच 75:25 था जो अब 60:40 हो गया है। 2014 से पूर्व ही इस स्कीम से प्रदेश को 7 मेडिकल कॉलेज मिल गए थे। बाकी ये मेडिकल कॉलेज तो यूपीए की इस स्कीम से राजस्थान को मिलने ही थे। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को जो जनसमर्थन मिला है उससे भाजपा बौखला गई है। मैंने पहले भी कहा कि जैसे जैसे ये यात्रा आगे बढ़ेगी वैसे भाजपा की बौखलाहट बढ़ती जाएगी। आज अमित शाह ने जो अपने भाषण में जो बातें भारत जोड़ो यात्रा के लिए कहीं वो इसी बौखलाहट का प्रतीक है।

ERCP को लेकर एक शब्द अपने मुख से नहीं निकालाः यह बेहद आश्चर्य की बात है कि आज जोधपुर में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने जो बयान दिए हैं वो तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। देश की जनता गृहमंत्री के तौर पर उनके भाषण में तथ्यात्मक बातें होने की उम्मीद करती है क्योंकि उन्हें जो इनपुट सरकारी अधिकारियों, इंटेलिजेंस एवं भाजपा नेताओं तथा कार्यकर्ताओं द्वारा उपलब्ध करवाए जाएं वो सत्य होने चाहिए परन्तु इस भाषण में ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें तथ्य बताए ही नहीं गए। इसी कारण उन्होंने झूठ से परिपूर्ण भाषण दिया। अमित शाह गृह मंत्री के साथ देश के सहकारिता मंत्री भी हैं। जयपुर में उत्तरी राज्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक में उन्होंने कहा था कि राजस्थान एवं गुजरात के लोग सहकारिता के नाम पर हुए घोटालों के सबसे अधिक पीड़ित हैं। पश्चिमी राजस्थान के लोगों को आशा थी कि वो सहकारिता के नाम पर वहां के लोगों के साथ हुए संजीवनी, आदर्श इत्यादि घोटालों पर बात करेंगे और पीड़ितों को राहत दिलवाने का काम करेंगे परन्तु ऐसा नहीं हुआ। आज पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के किसानों को आशा थी कि गृह मंत्री राजस्थान आए हैं तो वो प्रधानमंत्री द्वारा पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ERCP) को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने के लिए किए गए वादे को पूरा करने की बात कहेंगे मगर आश्चर्य की बात है कि श्री अमित शाह ने ERCP को लेकर एक शब्द अपने मुख से नहीं निकाला।

8 लाख किसानों का बिजली बिल शून्य कियाः अमित शाह ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने 3 लाख रुपये तक निशुल्क इलाज की व्यवस्था की। शायद उनकी जानकारी में नहीं है कि यह योजना सिर्फ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना (NFSA) के पात्र परिवारों तक ही सीमित थी। हमारी सरकार ने चिरंजीवी योजना शुरू की है जिसमें राजस्थान के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस बीमा तथा 5 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा मिल रहा है जो पूरे देश में अन्य किसी राज्य नहीं है। शाह ने कहा कि पिछली सरकार ने किसानों को 1000 रुपये सब्सिडी दी। पूर्ववर्ती सरकार ने आचार संहिता लगने के एक दिन पहले घोषणा की थी कि किसानों को 833 रुपये प्रति महीने की सब्सिडी दी जाएगी पर इसका कोई वित्तीय प्रावधान नहीं था और ये केवल हवाई घोषणा थी। हमारी सरकार ने मुख्यमंत्री किसान मित्र ऊर्जा योजना शुरू कर किसानों को 1000 रुपये प्रति वर्ष सब्सिडी दी है जिससे करीब 8 लाख किसानों का बिजली बिल शून्य हो गया है।

एक नज़र

भाजपा किसान मोर्चा की दो दिवसीय सेन्ट्रल वेस्ट जोन प्रशिक्षण शिविर की बैठक किशनगढ़ में

हिलव्यू समाचार

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रिणवां व प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने किसान मोर्चा की दो दिवसीय सेन्ट्रल वेस्ट जोन प्रशिक्षण शिविर की बैठक को लेकर प्रेस वार्ता को संबोधित किया। बैठक में भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर तथा भाजपा राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां व भाजपा राजस्थान प्रदेश महामंत्री (संगठन) चन्द्रशेखर व कृषि विशेषज्ञों, कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न सत्रों को सम्बोधित किया जायेगा।

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रिणवां ने कहा कि, भाजपा किसान मोर्चा की दो दिवसीय सैन्ट्रल वेस्ट जोन प्रशिक्षण शिविर की बैठक 6 राज्यों में होगी। साथ ही उन्नत व आधुनिक खेती में वर्ष 2014 के बाद देश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसान हित में किये गये निर्णय से किसानों को समृद्धशाली बनाने के लिए नवाचार तथा अनुसंधान को बढ़ावा दिया गया, जिसके कारण उत्पादन में वृद्धि हुई तथा गुणवतायुक्त कृषि जिन्स प्राप्त होने लगी है तथा कृषि क्षेत्र में सरकार द्वारा कृषि बजट में ऐतिहासिक बढ़ोतरी करते हुए बजट को 23 हजार करोड़ से 1 लाख 34 हजार करोड़ कर दिया। जिसके कारण कृषि क्षेत्र अभूतपूर्ण विस्तार हुआ। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री ओ.पी. यादव ने बताया कि भाजपा किसान मोर्चा राजस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय मध्य-पश्चिम क्षेत्रीय प्रशिक्षण वर्ग प्रतिभागी राज्य राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दादर नगर हवेली,दमन दीव का आज 14 सितम्बर व 15 सितम्बर, 2022 को सुशांत सिटी किशनगढ़, अजमेर में स्थित होटल रामाड़ा मे होगा।

आत्महत्या रोकथाम में प्रत्येक व्यक्ति सक्रिय हों: डॉ एमएल अग्रवाल

कोटा (हिलव्यू समाचार)। आत्महत्या रोकथाम दिवस पर हॉप सोसायटी कोटा एवं अग्रवाल न्यूरो साइकेट्री सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में हॉप सोसायटी कार्यालय जवाहर नगर में बैनर राइटिंग कार्यक्रम रखा गया जिस पर कोचिंग विद्यार्थियों तथा आम नागरिको ने अपने विचार तथा भावनाए लिखी। जिंदगी अनमोल है इसे ख़त्म न करे, Think positive Take help Help is awailable इस अवसर पर हॉप सोसायटी का हेल्पलाइन नंबर 0744 2333666 की अपील की कि आपस में इस नंबर की अधिकाधिक जानकारी बढ़ाएं ताकि विशेष परिस्थिति में उपयोग कर किसी की जान बचाई जा सके। डॉ एम एल अग्रवाल, डॉ अविनाश बंसल, अनिल अग्रवाल, शंकर अस्कंदानी, सुधीन्द्र गौड़, यज्ञदत्त हाडा, काउंसलर प्रमिला,महेश सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। इसके उपरांत मोशन कोचिंग इंस्टिट्यूट में फैकल्टी को सम्बोधित करते हुए डॉ एम एल अग्रवाल ने बताया कि आत्महत्या की रोकथाम में अध्यापकगणो की विशेष भूमिका है। विद्यार्थी सबसे पहले अध्यापक के संपर्क में आते है। विद्यार्थी में अकेले रहना, पढाई में ध्यान न देना, पढाई में पिछड़ना, क्लास में अनुपस्थित रहना, व्यवहार में परिवर्तन आना ऐसे अनेक संकेत और इनसे बचाव के उपाय पावर पॉइंट प्रजेंटेशन से बताए। विद्यार्थियों को नींद आना भी अति आवश्यक है कम से कम 7 - 8 घंटे की नींद जरुरी है अन्यथा अनेक शारीरिक मानसिक बीमारिया घर कर जाती है परिणामस्वरूप स्ट्रेस-तनाव से पीड़ित हो जाते है जो कि आत्महत्या का कारण भी बन सकता है।

डॉ. अविनाश बंसल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि आत्महत्या न अपराध है, न पाप है यह एक रोग है और इसकी रोकथाम संभव है। विद्यार्थियों को तनाव व समस्याओं से बचाव के लिए पौष्टिक भोजन, मोबाईल बंद, शारीरिक व्यायाम, ध्यान योग जरुरी है। उन्होंने कहा कि हॉप सोसायटी चौबीस घण्टे दिन-रात लगातार काउंसलिंग में लगी हुई है और अब तक लगभग ग्यारह हजार लोगों को उचित सलाह से लाभान्वित कर चुकी है।

प्रेस समन्वयक सुधीन्द्र गौड़ ने बताया कि प्रारम्भ में मोशन इस्टीट्यूट के पदाधिकारियों तथा स्टाफ ने डॉ एम एल अग्रवाल तथा टीम का स्वागत किया।

ग्रामीण ऑलम्पिक के ब्लॉक स्तरीय आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

कोटा (हिलव्यू समाचार)। राजीव गांधी ग्रामीण ऑलम्पिक खेलों के द्वितीय चरण में ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के तैयारियों की समीक्षा मुख्य सचिव ऊषा शर्मा द्वारा वीसी के माध्यम से करते हुए सभी विभागों को नियमित रूप से तैयारी कर आयोजन का सफल बनाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी विभाग ग्रामीण ऑलम्पिक खेलों के द्वितीय चरण में भी सक्रियता से भागीदारी निभाएं। उन्होंने ब्लॉकवार टीमों का चयन कर खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने तैयारियों के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि कोटा में पांचों ब्लॉकों में खिलाड़ियों के पंजीयन के अनुसार टीमों का गठन कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि खेल मैदानों की तैयारी कर ब्लॉक स्तरीय आयोजन समिति द्वारा नियमित रूप से तैयारियों की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले में ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाली 6 खेल प्रतियोगिताओं में 5 हजार 538 खिलाड़ियों का पंजीयन हुआ है जिनमें 626 टीमों का गठन किया जा चुका है।

‘मैं इसी मिट्टी का लाल, हर दिन याद करता हूँ’: उपराष्ट्रपति बोले

लड़के-लड़की में फ़र्क़ मत करो, पढ़ने दो, जो जी चाहे करने दो

कार्यालय संवाददाता

जयपुर/ किठाना (झुंझुनूं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज किसान परिवार का कोई व्यक्ति इस पद तक पहुंचा है, इसे देखकर आज संविधान निर्माता को बहुत बड़ा सुख मिलेगा। किठाना में आयोजित सम्मान समारोह में बोल रहे उपराष्ट्रपति ने कहा कि मैं इसी मिट्टी का लाल हूं और हर दिन गांव को याद करता हूं।

धनखड़ प्रधानमंत्री की तारीफ करते हुए बोले कि उनकी पृष्ठभूमि देखकर लगता है कि हालात अब बेहतर होते जा रहे हैं। स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में जिले भर से लोग पहुंचे हैं। धनखड़ ने सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि लड़के-लड़की में फर्क मत करो और उन्हें जो करना है करने दो। उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव किठाना (झुंझुनूं) पहुंचे जगदीप धनखड़ का भव्य स्वागत किया जा रहा है। सुबह आर्मी के हेलीकॉप्टर से पैतृक गांव आए धनखड़ सबसे पहले अपने आराध्य बालाजी के दर्शन करने पहुंचे। इससे पहले मंदिर तक के रास्ते में हजारों की संख्या में मौजूद लोगों ने उनका स्वागत किया। मंदिर में पूजा-अर्चना करने और भगवान का अशीर्वाद लेने के बाद वे अपने घर पहुंचे। यहां वे अपने दोस्तों और परिवारजनों से मिले। उपराष्ट्रपति गांव के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय के स्कूल की नई बिल्डिंग का भी शिलान्यास किया। धनखड़ ने अपनी पांचवी क्लास तक की पढ़ाई यहीं से की है। यहां पहुंचने बच्चों ने उनका अभिनंदन किया। सभी बच्चे देश के उपराष्ट्रपति को अपने बीच पाकर काफी खुश दिखे। दोपहर 1.15 बजे यहां से सीधे खाटू श्यामजी मंदिर के दर्शन किए।

राज्य सभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने केंद्र से राजस्थान में भारतीय प्रशासनिक सेवा के कैडर को बढ़ाने का किया आग्रह

हिलव्यू समाचार

दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय कार्मिक मंत्री श्री जितेन्द्र सिंह से राज्य सभा सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीना ने मंत्री के सरकारी कार्यालय में सोमवार को मुलाकात कर राजस्थान में भारतीय प्रशासनिक सेवा के कैडर को बढ़ाने का आग्रह किया। मीणा ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की फ़्लैगशिप योजनाओं का लाभ आमजन तक पूरी तरह पहुंचाने के लिए कैडर बढ़ाना ज़रूरी है।

डॉक्टर मीणा ने पत्र लिखकर डॉ जितेन्द्र सिंह से आग्रह किया कि राजस्थान भौगोलिक दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ एक तीव्र गति से विकास रत राज्य तथा विकास की प्रक्रिया में गति बनाए रखने के लिए कौशल सक्षम एवं पर्याप्त प्रशासनिक ढांचे का होना एक प्राथमिक आवश्यकता है राज्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा संवर्ग 313 अधिकारी का आकार राज्य की विकास संबंधी चुनौतियां एवं आकार को देखते हुए बहुत छोटा तथा पर अपर्याप्त है जबकि राजस्थान की तुलना में मध्यप्रदेश में भारतीय प्रशासन सेवा संवर्ग के 439 हैं जो काफी ज्यादा है भारत सरकार की विभिन्न फ्लैशिंग योजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन करने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा का सुधरण एवं कैडर होना बहुत ही आवश्यक है इस संबंध में कार्मिक विभाग राजस्थान सरकार द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा संवर्ग के कैडर रिव्यू बाबत सचिव कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग भारत सरकार को पत्र दिनांक 22 जून 2021 के द्वारा राजस्थान कैडर को 313 से बढ़ाकर 365 करने का प्रस्ताव प्रेषित किया है पत्र में आज की आवश्यकता एवं महत्व के अनुसार राजस्थान सेवा कैडर को 313 से बढ़ाकर 365 करवाने का आग्रह किया।

‘राहुल अच्छा काम कर रहे हैं’: सत्यपाल मलिक बोले

चुप रहने पर उपराष्ट्रपति बनाने का इशारा था?

झुंझुनूं। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने उप राष्ट्रपति चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। मलिक ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से मुझे भी चुप रहने पर उप राष्ट्रपति बनाने का इशारा किया गया था, लेकिन मैंने कह दिया कि मैं ऐसा नहीं कर सकता। मैं जो महसूस करता हूं, वह जरूर बोलता हूं। चाहे उसके लिए मुझे कुछ भी छोड़ना पड़े। हालांकि जगदीप धनखड़ इस पद के लिए डिजर्व करते हैं।

उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी की हर बात का सपोर्ट करता हूं। साथ ही, मैं अपना मत जाहिर कर देता हूं। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं मोदी सरकार के खिलाफ हूं। राजस्थान दौरे पर आए मलिक ने झुंझुनूं के बगड़ में शनिवार को ये बातें कहीं।

कर्तव्य पथ नाम मंत्र की तरह लगता हैः सत्यपाल मलिक ने इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन तक राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करने पर भी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि दिल्ली के राजपथ का नाम बदलने की जरूरत नहीं थी। राजपथ अपने आप में बहुत अच्छा नाम था। सभी जानते थे, लेकिन बदल दिया गया है। यह किसी मंत्र की तरह लगता है।

राहुल गांधी अच्छा काम कर रहे हैं

कांग्रेस की ‘भारत जोड़ो’ यात्रा को लेकर सत्यपाल मलिक ने कहा- राहुल गांधी अपनी पार्टी के लिए काम कर रहे हैं। वो युवा नेता हैं। कोई भी नेता ऐसा काम नहीं करता, जो आज राहुल गांधी कर रहे हैं। वे अच्छा काम कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं पर भी ED-CBI की छापेमारी हो

देश में प्रवर्तन निदेशालय (ED) और CBI की छापेमारी को लेकर उन्होंने कहा- भाजपा में भी बहुत से लोग हैं, जिन पर छापामार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। केंद्र सरकार को उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। उन पर ED और CBI के छापों की जरूरत है, इसीलिए देश में छापों को लेकर अलग माहौल बन गया।

एमएसपी के लिए लड़ाई लड़नी पड़ेगीः मलिक ने कहा- हालात को देखते हुए किसानों को आंदोलन करना पड़ेगा। मुझे नहीं लगता कि केन्द्र सरकार एमएसपी को लागू करेगी। अगर सरकार एमएसपी को लागू नहीं करती है तो लड़ाई लड़नी पड़ेगी। जहां किसान हक के लिए लड़ेंगे, वहीं मैं पहुंच जाऊंगा। मलिक ने कहा- मैं किसान पुत्र हूं। किसान के दर्द को महसूस करता हूं। आज देश में किसानों की आमदनी घट रही है। किसानों को एमएसपी मिलनी चाहिए। लगता नहीं कि एमएसपी मिलेगी। इससे पहले भी सत्यपाल मलिक कई बार किसान आंदोलन को लेकर सरकार और बड़े उद्योगपतियों के खिलाफ बोल बयान दे चुके हैं। मलिक के इन सभी बयानों ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

"हिंदी दिवस पर विशेष

"राष्ट्र की बिंदी है हिंदी"

हिंदी जो राष्ट्र के भाल पर थी बिंदी
अब बिखर कर बन रही है चिंदी।
आज लोगों का हिंदी से लगाव,
भूला बिसरा स्वप्न जैसा लगता है।
संस्कृति में नैतिकता का पतन हो रहा,
उसी तरह हिंदी में भी बिखराब आ रहा।
पराई भाषा व्यावसायिक बन सकती है ज़रूर,
लेकिन अभिव्यक्ति की भाषा है हिंदी।
रिश्तो में गर्माहट लाना है,
तो पराई भाषा के जाल को तोड़ना होगा।
आज अंग्रेजी का" आंटी अंकल" शब्द ,
चाचा चाची, ताऊ ताई,
कचरे ठेले वाले का पर्याय बन गया है।
पर आज भी ताऊ ताई,चाचा चाची शब्द,
हृदय में मिश्री की मिठास घोल देते हैं।
आज मा भी बच्चों को ट्विंकल ट्विंकल लिटिल स्टार सीखा रही
बच्चों को अंग्रेजी के रथ में सवार कर रही।
पर नाक में उंगली, कान में तिनका
मत कर, मत कर का सहज पाठ भूल रही,
बच्चे का बचपन छीन रही।
पंचतंत्र की कहानियां छीन,
आज कॉमिक्स पकड़ा रही,
और बच्चों की नींव दरका रही।
गीता रामायण की पौराणिक कहानियां ,
ठंडे बस्ते में सो रही,
पर टीवी सीरियल , हॉरर शो उबल रहे हैं।
इस तरह आज हमारी मिट्टी की गंध,
अंग्रेजी के ताबूत में दफ़न हो रही।
आज हिंदी के वटवृक्ष में ,
खाद् पानी की कमी आ रही।
इस उड़ती पतंग में माझे की कमी आ रही ।
देसी पतंग विदेशी पतंग से,
पेंच लड़ाती दिख रही,।
अंत में यह कहूँगी ज़रूर
आज हमारे रामायण महाभारत को,
विदेशी जिन्हें अपना रहे
पर हिंदुस्तानी हिंदी अपनाने में शर्म महसूस कर रहे
हिंदी का क्षितिज चमक रहा है पर
उसकी दस्तक हमें सुनाई नहीं पड़ रही,
इस दस्तक के लिए हमें संकल्प करना होगा,
अभिभावकों, चिन्तकों, शिक्षाविदों
साहित्यकारों को कदम बढ़ाना होगा।
हिंदी की सेवा में जुटना होगा,
उसकी अस्मिता की रक्षा करनी होगी
और हिंदुस्तान की हिंदी को बिंदी बनानी होगी।

डॉ सुशीला जोशी,
कोटा, राजस्थान

कोटा में पढ़ी तनिष्का ने NEET में किया टॉप: बोली- लॉकडाउन में हो गई थी डिमोटिवेट, ऑफलाइन स्टडी से हौसला बढ़ा

कोटा (हिलव्यू समाचार)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने NEET-2022 का रिजल्ट जारी कर दिया है। इसमें राजस्थान की तनिष्का ने 99.99% अंक हासिल कर देशभर में फर्स्ट रैंक हासिल की है। दिल्ली के आशीष बत्रा सेकेंड और कर्नाटक के नागभूषण गांगुली तीसरे स्थान पर रहे। तीनों ही स्टूडेंट्स को 720 में से 715 नंबर हासिल हुए हैं।

स्टूडेंट्स नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ऑफिशियल वेबसाइट neet.nta.nic.in पर जाकर अपना रिजल्ट चेक कर सकते हैं। तनिष्का हरियाणा की रहने वाली हैं और 2 साल से कोटा में रहकर पढ़ाई कर रही हैं।

ऑल इंडिया टॉपर तनिष्का ने बताया, 'मैं बचपन से ही डॉक्टर बनना चाहती हूं। क्योंकि यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें आप दूसरों की मदद करके खुद को स्थापित कर सकते हैं। इसलिए मैंने 11वीं क्लास से प्रॉपर तैयारी शुरू कर दी थी। लेकिन, लॉकडाउन की वजह से ऑफलाइन स्टडी नहीं हो पाई।

उस वक्त मुझे काफी प्रॉब्लम आई। मेरा कॉन्फिडेंस भी थोड़ा डाउन हो गया था। फिर 12th में ऑफलाइन स्टडी के दौरान में टीचर से प्रॉब्लम्स के सॉल्यूशन समझे और कॉन्फिडेंस बिल्डअप हुआ। इसका फायदा मुझे एग्जाम में मिला।'

तनिष्का ने बताया कि उनके पेरेंट्स ने कभी पढ़ने को लेकर कोई दबाव नहीं बनाया। बल्कि हमेशा मोटिवेट करा। वह कोचिंग और स्कूल में के अलावा हर दिन 6-7 घंटे सेल्फ स्टडी करती थी। क्योंकि हर दिन जो पढ़ाया जा रहा है, उसका रिवीजन करना बहुत जरूरी है। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, वैसे-वैसे आपको रिवीजन करना चाहिए। यही सक्सेस का मूल मंत्र है।

बता दें कि तनिष्का ने इस साल 12वीं कक्षा 98.6 प्रतिशत अंकों के साथ पास की है, जबकि 10वीं कक्षा में उसने 96.4 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। इसके अलावा जेईई मेन्स में 99.50 पर्सेंटाइल हासिल किया है। वह दिल्ली एम्स से कार्डियो, न्यूरो या ऑन्कोलॉजी(कैंसर) में स्पेशलाइजेशन करना चाहती हैं।

तनिष्का के पिता कृष्ण कुमार सरकारी टीचर हैं। उनकी मां सरिता कुमारी भी सरकारी स्कूल में लेक्चरार हैं। 3 भाई बहनों में वह सबसे बड़ी हैं। मूलरूप से तनिष्का का परिवार हरियाणा के नारनौल में रहता है।

दरअसल, इस बार नीट परीक्षा के लिए देशभर में 18 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स ने रजिस्ट्रेशन करवाया था।17 जुलाई को भारत के 497, वहीं विदेश के 14 शहरों के कुल 3570 सेंटर्स पर परीक्षा हुई। इसमें लगभग 17 लाख 64 हजार स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। 31 अगस्त को आंसर की जारी की गई थी। अब फाइनल रिजल्ट जारी हुआ है। इस बार नीट में 9 लाख 93 हजार 69 स्टूडेंट्स पास हुए हैं।

नीट यूजी में सीटों की संख्या

नेशनल मेडिकल एसोसिएशन (NMC) और डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया (DCI) की ओर से नीट सीटों पर दी गई लेटेस्ट जानकारी के मुताबिक, 2022 में 607 मेडिकल और 315 डेंटल कॉलेजों में 91,415 एमबीबीएस, 26,949 बीडीएस , 52,720 आयुष और 603 BVSc एंड AH सीटें हैं।

रक्षा क्षेत्र में MSME सेक्टर को विकसित कर कोटा का औद्योगिक गौरव लौटाऐंगेः ओम बिरला

लोकसभा अध्यक्ष ने एमएसएमई से रक्षा क्षेत्र में संभावनाएं तलाशने का किया आव्हान

असलम रोमी

कोटा (हिलव्यू समाचार)। कोटा के एमएसएमई उद्यमियों के लिए रक्षा क्षेत्र अनंत संभावनाओं से भरा है। हमारी कोशिश है कि रक्षा क्षेत्र में काम कर रही सरकारी और निजी कम्पनियों की मदद से इन एमएसएमई यूनिट्स को नई दिशा दी जाए। ऐसा करके ही हम कोटा का औद्योगिक गौरव लौटा पाएंगे। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने यह बात सोमवार नेशनल डिफेंस एमएसएमई कॉन्क्लेव का उद्घाटन करते हुए कही।

दशहरा मैदान में आयोजित इस कॉन्क्लेव को कोटा और राजस्थान के लिए ऐतिहासिक बताते हुए स्पीकर बिरला ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के तहत सरकार ऐसी नीतियां और कार्यक्रम लाई है जिसमें नवाचार के माध्यम से उत्पादन को बढ़ावा मिल रहा है। सरकार मेक इन इंडिया को भी एक संकल्प के रूप में लेते हुए रिसर्च और डवलपमेंट को प्रोत्साहित कर रही है।

इसके चलते देश में सरकारी और निजी कंपनियां एमएसएमई को साथ लेकर उत्कृष्ट रक्षा उपकरण तथा सेवाएं दे रहे हैं। इससे एक ओर न सिर्फ हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति कर पा रहे हैं बल्कि अब रक्षा क्षेत्र में इम्पोर्टर से एक्सपोर्टर बन रहे हैं। देश को इस स्थिति में लाने में एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स की अहम भूमिका है। इसी कारण सरकार युवाओं की सोच से प्रेरणा प्राप्त करते हुए उनकी हर संभव सहायता कर रही है और उनकी राह की अनावश्यक बाधाओं को भी दूर कर रही है।स्पीकर बिरला ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हमारी महत्वाकांक्षा नहीं बल्कि आवश्यकता है। तेजी से बदलती तकनीक के इस जमाने में युद्ध आमने-सामने नहीं लड़े जाते। इलेक्ट्रोनिक, टेक्नोलॉजिकल और आईटी प्लेटफार्म के जरिए सीमा से दूर रहते हुए भी हम युद्ध को नियंत्रित कर सकते हैं। ऐसे में बहुत आवश्यक है कि तीनों प्लेटफॉर्म हमारे स्वयं के नियंत्रण में हों। इसमें एमएसएमई और स्टार्ट-अप्स की अहम भूमिका है। देश में बढ़ती रोजगार आवश्यकताओं की पूर्ति में भी एमएसएमई और स्टार्टअप अहम योगदान दे सकते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने कहा कि एक समय था जब रक्षा क्षेत्र में भारत को मांगने वाला देश माना जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब नए विजन के साथ काम करते हुए दुनिया को देने वाला देश बन गया है। हम दुनिया के टॉप-25 डिफेंस एक्सपोर्टर में हैं, 2014 के बाद हमारे रक्षा बजट में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, इतना ही नहीं हम रक्षा बजट को खर्च करने वाले विश्व के प्रथम तीन देशों में है। हम जल-थल और नभ, तीनों जगह मजबूत स्थिति में हैं।एसआईडीएम के अध्यक्ष और महिन्द्रा डिफेंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीप्रकाश शुक्ला ने कहा कि एक छोटी सी कार बनाने में 200 एमएसएमई का सहयोग चाहिए। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि डिफेंस उपकरण बनाने में कितनी एमएसएमई का सहयोग चाहिए। एमएसएमई अपने उत्पाद बेचने के लिए भारी और मध्यम उद्योग पर निर्भर है, लेकिन भारी और माध्यम उद्योग अपने उत्पाद बनाने के लिए एमएसएमई पर निर्भर हैं।

बिरला ने एमएसएमई और स्टार्टअप्स के उत्पादों को सराहा

हिलव्यू समाचार

कोटा । उद्घाटन कार्यक्रम के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने भी डिफेंस एक्सपो देखा। इस दौरान स्टार्टअप्स और एमएसएमई द्वारा प्रतिशत उत्पादों ने दोनों को हतप्रभ कर दिया। रक्षा उत्पाद देखने के बाद स्पीकर बिरला ने कहा कि हमारे एमएसएमई और स्टार्टअप्स के आइडिया हतप्रभ करते हैं। वे बहुत आगे की सोच रखते हैं। वे अपने नवाचारों के जरिए बड़ी चुनौतियों का समाधान कितनी सहजता से कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में यह एमएसएमई और स्टार्टअप्स सबसे अहम भूमिका निभाएंगे।

एक नज़र

क्रूज संचालन के लिए शीघ्र बनाएं डीपीआर: कलक्टर बुनकर

हिलव्यू समाचार

कोटा। चंबल नदी में क्रूज संचालन के संबंध में बुधवार को जिला कलक्टर ओपी बुनकर के अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित की गई जिसमें परियोजना की डीपीआर बनाने के संबंध में विचार विमर्श हुआ। जिला कलक्टर ने कंसलटेंट संस्था एसआईटीई के प्रतिनिधियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श में निर्देश दिए की डीपीआर शीघ्र तैयार की जाए।

जिला कलक्टर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि मार्च 2023 से पूर्व क्रूज संचालन शुरू कर दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि डीपीआर बनाते समय सभी पक्षों पर गहराई से दूरदर्शिता के साथ विचार-विमर्श किया जाए। इस तरह की प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जाए जिसमें इको डेवलपमेंट का विशेष ध्यान रहे। संबंधित विभागों, विशेषरूप से वाइल्डलाइफ से संबंधित अनुमतियां प्राप्त कर ली जाएं। ऐसे प्रयास हों कि ईकोटूरिज्म और जैव विविधता का संरक्षण करते हुए यह परियोजना क्रियान्वित हो सके और अधिकाधिक पर्यटक आकर्षित हो सकें। उन्होंने इसके साथ ही जिले में वाटर स्पोर्ट्स और जल आधारित विविध रोमांचक टूरिज्म गतिविधियों के बढ़ावे के लिए भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में सचिव नगर विकास न्यास राजेश जोशी, आयुक्त नगर निगम उत्तर वासुदेव मालावत, उप निदेशक पर्यटन विकास पाण्ड्या, अधीक्षण अभियंता केडी अंसारी एवं संबंधित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कोटा में बनेगा इनोवेशन हब

डिफेंस सेक्टर की आवश्यकताओं की करेगा पूर्ति

कोटा (हिलव्यू समाचार)। कोटा में स्टार्ट-अप्स के लिए इन्क्यूबेशन सेंटर के बाद जल्द इनोवेशन हब भी बनेगा। इनोवेशन हब अन्य क्षेत्रों के साथ डिफेंस सेक्टर की आवश्यकताओं की भी पूर्ति करेगा। यह जानकारी आई-स्टार्ट कार्यक्रम के प्रोग्राम मैनेजर अमित पुरोहित ने दी। नेशनल डिफेंस एमएसएमई कॉन्क्लेव के तहत आयोजित स्टार्ट-अप सेशन में पुरोहित ने बताया कि आई-स्टार्ट एक अम्ब्रेला कार्यक्रम की तरह राजस्थान में स्टार्ट-अप्स को आगे आने में मदद कर रहा है। एसआईडीएम स्टार्ट-अप फोरम के अध्यक्ष अभिषेक जैन ने बताया कि डिफेंस सेक्टर में एमएसएमई के बाद स्टार्ट-अप्स की भूमिका बढ़ती जा रही है। रक्षा मंत्रालय से डिफेंस क्षेत्र में कार्य कर रहे स्टार्ट-अप्स को 400 करोड़ के ऑर्डर मिले हैं। रक्षा बजट को देखते हुए भले ही यह आंकड़ा बहुत कम है, लेकिन ऑर्डर की संख्या में तेजी से हो रही बढ़ोतरी स्टार्ट-अप क्षेत्र के लिए उत्साहजनक है। इसी सेशन के दूसरे सत्र में भारत सरकार के कार्यक्रम इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस में प्रस्तुत की गई चुनौतियों को जीतने वाले पांच स्टार्टअप्स सागर डिफेंस, सैफ सीज, बिग बैंग बूम, लेखा वायरलैस तथा बिग कैट वायरलैस के प्रतिनिधियों ने युवाओं को बताया कि चुनौतियों का समाधान निकालने का रास्ता कठिन है पर सफलता मिलने के बाद वह पूरी दुनिया के लिए राहत लाती है।

प्रशासन शहरों के संग अभियान शुरू

दोनों नगर निगम के कुल 13 वार्डों में आयोजित होंगे शिविर

हिलव्यू समाचार

कोटा। प्रशासन शहरों के संग अभियान के द्वितीय चरण के शिविर बुधवार से आरम्भ हो गए हैं इनमें कृषि भूमि पर बसी अनुमोदित कॉलोनियों एवं नियमित कच्ची बस्तियों के वार्ड वाईज नवीन शिविरों का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है।

सचिव नगर विकास न्यास राजेश जोशी ने बताया कि 8 सितम्बर को नगर निगम उत्तर के वार्ड 60 व 27 की कॉलोनियां जनकपुरी, रवि विहार, सुभाष कॉलोनी, विवेकानन्द कॉलोनी, तिलक कॉलोनी, रॉयल टाउन, मॉडल टाउन, इन्द्रा कॉलोनी, बालाजी टाउन, नन्दा जी की बाड़ी, संजय नगर, हुसैनी नगर, शान्ति नगर, विनायक लेन एवं चौपड़ा फार्म के तेजा जी का चौक मेन रोड़ खेड़ली फाटक परिसर में शिविर लगा। इसी प्रकार 13 व 14 सितम्बर को नगर निगम दक्षिण के वार्ड 47 की कच्ची बस्ती साजीदेहड़ा का शिविर नगर विकास न्यास परिसर में आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 15 व 16 सितम्बर को नगर निगम उत्तर के वार्ड 28 व 50 की कॉलोनियां कमला उद्यान, न्यू कमला उद्यान, धन-धन सतुगुरू, एसीजी कॉलोनी, सुरजीत कॉलोनी, कमला उद्यान विस्तार, कृषण विहार, लक्ष्मण विहार, चंचल विहार, चंचल विहार द्वितीय, दुर्गा नगर, पंचवटी नगर, विकास नगर, रिद्धी-सिद्धी एनक्लेव, स्वीट होम आदर्श नगर, सुमन विहार एवं बालाजी टाउन के लिए संत तुकाराम सामुदायिक भवन कुन्हाड़ी परिसर में शिविर आयोजित किए जायेंगे।

उन्होंने बताया कि 20 व 21 सितम्बर को नगर निगम दक्षिण के वार्ड 8 व 34 की कॉलोनियां आमीर कॉलोनी, देव नगर, राजपूत कॉलोनी, भारतनगर, डिफेन्स कॉलोनी, हाड़ौती कॉलानी, महेश कॉलोनी, आस्था विहार, ज्ञान सरोवर दौलतगंज उर्फ नयागांव के लिए भैरूलाल कालाबादल सामुदायिक भवन श्रीनाथपुरम में, 22 व 23 सितम्बर को नगर निगम उत्तर के वार्ड 61 व 19 की कॉलोनियां अश्विनी विहार विस्तार, धनलक्ष्मी एनक्लेव, मारूति कॉलोनी एनक्लेव, सुमन विहार, अमृत नगर द्वितीय, अमृतधाम व चाणक्य नगर द्वितीय, कार्तिकेय एनक्लेव, गणेश नगर व जगन विहार, मिर्धा नगर, गणपति नगर, मानसरोवर, चाणक्य नगर व चाणक्य नगर विस्तार, मोती नगर स्पेशल, बालाजी नगर तृतीय, मारूति कॉलोनी, लोकोराम कॉलोनी, अरावली विहार एवं श्रीराम नगर के लिए शिव पार्वती सामुदायिक भवन नयानोहरा में शिविर आयोजित किए जायेंगे।

यूआईटी सचिव ने बताया कि नगर निगम उत्तर के वार्ड 51 व 32 की कॉलोनियां संग विहार, आनन्द विहार, गणपति नगर विस्तार खं.न. 440, 446, 447, 448, गणपति नगर खं.न. 438, 439, 441, 442, 443, नयाखेड़ा खसरा नं. 158/159, पूनम कॉलोनी, विराट नगर, सिद्धी विनायक नगर, श्रीजी नगर, गणपति रेजीडेन्सी, न्यू गणपति रेजीडेन्सी, पार्वती पुरम, पार्श्वनाथ पुरम ब्लॉक-बी एवं वृन्दावन विहार के वीर दुर्गा दास स्टेडियम नान्ता रोड़ कुन्हाड़ी में तथा 29 व 30 सितम्बर को नगर निगम उत्तर के वार्ड 43 व 62 की कॉलोनियां एकता कॉलोनी, प्रताप टाउनशिप, गणपति नगर, ज्ञान विहार, दुर्गा नगर खं.न. 144, दुर्गा नगर खं.न. 146, 134, रणजी कॉलोनी, गुरूकृपा, नई बस्ती सोगरिया, शिवाजी कॉलोनी, दुर्गा नगर, पूनम कॉलोनी खं.न. 286, 287, 288, 288/501, 287/502, 589, 290, पूनम कॉलोनी खं.न. 313, 314, 316, 317, 318, 318/466, 318/543, पूनम कॉलोनी गली नं. 1 से 12, महावीर कॉलोनी, प्रतिभा कॉलोनी, आदर्श नगर हाउसिंग सोसायटी, शास्त्री कॉलोनी एवं आरके नगर के भदाना अफोर्डेबल आवासीय योजना परिसर पानी की टंकी के पास रंगपुर रोड़ भदाना में शिविर आयोजित किए जायेंगे।

बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता राशि जारी

कोटा (हिलव्यू समाचार)। जिले में अतिवर्षा के कारण आवासीय क्षेत्रों में हुए नुकसान का सर्वे करवाकर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि जारी करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। दीगोद तहसील में 276 आवासों एवं 57 केटलशेड में क्षति होने पर 55 लाख 200 रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की है।

जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने बताया कि जिले में अधिक वर्षा के कारण आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति से कच्चे-पक्के मकानों को नुकसान हुआ था। उन्होंने बताया कि दीगोद तहसील में सर्वे कराकर तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि स्वीकृत कर सीधे खातों में जमा कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा प्रभावित परिवारों के निरंतर सम्पर्क में रहकर सहायता उपलब्ध कराने का कार्य लगातार जारी रहेगा। तहसील पीपल्दा में 50 मकानों में घरेलू सामान कपड़े व बर्तन में क्षति होने के कारण प्रभावित परिवारों को एक लाख 90 हजार रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की है।

हिलव्यू समाचार में विज्ञापन एवं ख़बरों के लिए सम्पर्क करें...

हरीश श्रीवास्तव
सह संपादक, छबड़ा
+9461846059, 7976561127

असलम रोमी पत्रकार
ब्यूरो चीफ कोटा
+91 99283 50279, 7976561127

ठंड के मौसम में कीजिए सब्जियों की खेती

भरपूर उत्पादन अच्छा मुनाफ़ा

SEASONAL सब्जी

हर सब्जी की बुवाई का अपना समय होता है. यदि उचित समय पर सब्जियों की बुवाई की जाए तो अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है. विदर्भ के गोंदिया, भंडारा, चंद्रपुर आदि जिलों के किसान इस समय सब्जियों की खेती की तैयारी में जुटे हैं. इस ठंड के मौसम में टमाटर, मूली, पालक, पत्तागोभी आदि की खेती से विदर्भ के किसान भरपूर उत्पादन के साथ ही अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं. कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि आजकल अधिकतर सब्जियों की खेती बारहों माह होने लगी है. पर बेमौसमी फसल लेने से उत्पादन में कमी आने के साथ ही फसल की गुणवत्ता भी कम होती है, जिससे उसके बाजार में अच्छे भाव नहीं मिल पाते. जबकि सही समय पर फसल लेने से बेहतर उत्पादन के साथ भरपूर कमाई की जा सकती है. तो आइए जानें दिसंबर माह में कौन-कौनसी फसल की खेती करें ताकि भरपूर कमाई हो सके.

टमाटर

दिसंबर माह में टमाटर की खेती की जा सकती है. इसके लिए इसकी उन्नत किस्मों का चयन किया जाना चाहिए. टमाटर की नर्सरी में 2 तरह की क्यारियां बनाई जाती हैं. पहली ऊपर उठी हुई क्यारियां तथा दूसरी समतल क्यारियां. ओपन पोलिनेटेड किस्मों में 400 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर एवं संकर जातियों में 150 ग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से आवश्यकता होती है. टमाटर के पौधे 25-30 दिन में अक्सर रोपाई योग्य हो जाते हैं. यदि तापमान में कमी हो तो बुवाई के बाद 5-6 सप्ताह भी लग जाते हैं. लाइन से लाइन की दूरी 60 सेमी. एवं पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रहे. पौधों के पास की मिट्टी अच्छी तरह उंगलियों से दबा दें एवं रोपाई के तुरंत बाद पौधों को पानी देना न भूलें. शाम के समय ही रोपाई करें, ताकि पौधों को तेज धूप से शुरू की अवस्था में बचाया जा सके.

SEASONAL खेती

विदर्भ के किसानों ने सरसों की बुवाई तो कर ली है लेकिन अब समय-समय पर जरूरत के हिसाब से खाद-पानी, निराई-गुड़ाई, रोग, कीट प्रकोप से बचाने के उपाय भी करने होंगे.

मूली

मूली की फसल के लिए ठंडी जलवायु अच्छी रहती है. मूली का अच्छा उत्पादन लेने के लिए जीवांशयुक्त दोमट या बलुई दोमट मिट्टी अच्छी होती है. मूली की बुवाई मेड़ों तथा समतल क्यारियों में भी की जाती है. लाइन से लाइन या मेड़ों से मेंड़ों की दूरी 45 से 50 सेंटीमीटर तथा उंचाई 20 से 25 सेंटीमीटर रखनी चाहिए. वहीं पौधे से पौधे की दूरी 5 से 8 सेंटीमीटर होनी चाहिए. मूली की बुवाई के लिए मूली का बीज 10 से 12 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर पर्याप्त होता है. मूली के बीज का शोधन 2.5 ग्राम थीरम से एक किलोग्राम बीज की दर से उप शोधित करना चाहिए या फिर 5 लीटर गौमूत्र प्रतिकिलो बीज के हिसाब से बीजोपचार के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. इसके बाद उपचारित बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए.

पालक

पालक को ठंडे मौसम की जरूरत होती है. इसकी बुवाई करते समय वातावरण का विशेष ध्यान देना चाहिए. उपयुक्त वातावरण में पालक की बुवाई वर्ष भर की जा सकती है. अधिकतर पालक सीधे खेत में बोया जाता है. किसान सीधे जमीन पर पंक्तियों में पालक के बीज (ज्यादातर संकर) लगा सकते हैं या उन्हें खेत में फैला सकते हैं. पौधों को बढ़ने के लिए बीच में पर्याप्त जगह की आवश्यकता होती है. सीधे बीज बोने पर, हम 18 इंच के फासले पर (5-3 सेमी की गहराई में) पंक्तियों में बीज लगाते हैं. निरंतर उत्पादन के लिए, हम हर 10-15 दिनों में बीज बो सकते हैं.

बैंगन

बैंगन की खेती के लिए जैविक पदार्थों से भरपूर दोमट एवं बलुआही दोमट मिट्टी बैंगन के लिए उपयुक्त होती है. बैंगन लगाने के लिए बीज को पौधशाला में छोटी-छोटी क्यारियों में बोकर बिजड़ा तैयार करते हैं. जब ये बिजड़े 4-5 सप्ताह के हो जाते हैं तो उन्हें तैयार किए गए उर्वर खेतों में लगाते हैं. इसकी बुवाई के लिए प्रति हेक्टेयर 500-700 ग्राम बीज की आवश्यकता होती है. इसकी बुवाई करते समय लंबे लम्बे फलवाली किस्मों में कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे की दूरी 45 सेंटीमीटर तथा गोल फलवाली किस्मों में कतार से कतार की दूरी 75 सेंटीमीटर व पौधे से पौधे के बीच 60 सेंटीमीटर की दूरी रखी जानी चाहिए.

पत्ता गोभी

इसे हर तरह की भूमि पर उगाया जा सकता है, पर अच्छे जल निकास वाली हल्की भूमि इसके लिए सबसे अच्छी है. मिट्टी की पीएच 5.5-6.5 होनी चाहिए. यह अत्यधिक अम्लीय मिट्टी में वृद्धि नहीं कर सकती. इसकी बीजों की बुवाई 1-2 सेंटीमीटर की गहराई पर करनी चाहिए. एक एकड़ में बुवाइ के लिए इसके 200-250 ग्राम बीज की मात्रा पर्याप्त होती है. बीजों को बुवाई से पहले उपचारित कर लेना चाहिए. इसके लिए पहले बीज को गर्म पानी में (50 डिग्री सेल्सियस) 30 मिनट के लिए या स्ट्रैप्टोसाइक्लिन 0.01 ग्राम प्रति लीटर में 2 घंटे के लिए भिगो दें. बीज उपचार के बाद उन्हें छांव में सुखाएं और बेडों पर बीज दें. रबी की फसल में गलने की बीमारी बहुत पाई जाती है और इससे बचाव के लिए बीज को मरकरी कलोराइड के साथ उपचार करें. इसके लिए बीज को मरकरी कलोराइड 1 ग्राम प्रति लीटर घोल में 30 मिनट के लिए डालें और छांव में सुखाएं. रेतीली जमीनों में बोई फसल पर तने का गलना बहुत पाया जाता है. इसको रोकने के लिए बीज को कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत डब्लयू पी 3 ग्राम से प्रति किलो बीज का उपचार करें. इसकी बिजाई 2 तरीके से की जा सकती है. पहली गड्ढा खोदकर व दूसरा खेत में रोपाई करके. नर्सरी में सबसे पहले बिजाई करें और खादों का प्रयोग आवश्यकता के अनुसार करें. बिजाई के 25-30 दिनों के बाद नए पौधे रोपाई के लिए तैयार हो जाते हैं. खेत में पौध की रोपाई के लिए 3-4 सप्ताह पुराने पौधों का प्रयोग करें.

सरसों की फसल की देखभाल

निरीक्षण

बुवाई के बाद दिसंबर में खेत का निरीक्षण करना चाहिए तथा पौधों का विरलीकरण यानी निश्चित दूरी से अधिक पौधों की छंटाई करनी चाहिए. इससे फसल को 2 तरह के लाभ मिलते हैं. पहला लाभ यह कि पौधों के लिए आवश्यक 10-15 सेमी की दूरी मिल जाती है, जिससे फसल को होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है. दूसरा लाभ यह है कि खरपतवार का नियंत्रण भी हो जाता है.

सिंचाई

सरसों की फसल के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी होती है. बरसात होती है तो उसका ध्यान रखते हुए सिंचाई का प्रबंधन करना होता है. सरसों की अच्छी फसल के लिए खेत की नमी, फसल की नस्ल और मिट्टी की श्रेणी के अनुसार किसानों को खेत की जांच-पड़ताल करनी चाहिए. दिसंबर में उस समय सिंचाई करें जब फूल आने वाले हों. इसके बाद तीसरी सिंचाई 2 से ढाई महीने के बाद उस समय करनी चाहिए जब फलियां बनने वाली हों. जहां पर पानी की कमी हो या पानी खारा हो तो किसानों को चाहिए कि अपने खेतों में सिर्फ एक ही बार सिंचाई करें.

खरपतवार नियंत्रण

- बुवाई के लगभग 25 से 30 दिन बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए. इससे पौंधों के सांस लेने की क्षमता बढ़ जाती है तथा इससे पौधों को तेजी से अच्छा विकास होता है.
- खरपतवार के नियंत्रण के लिए रासायनिक पदार्थों का भी उपयोग कर सकते हैं. इसके लिए पेन्डी मिथैलीन (30 ईसी) की 3.5 लीटर को 1000 लीटर पानी में मिलाकर बुआई के तुरंत बाद छिड़काव करना चाहिए. यदि पेन्डी मिथैलीन का प्रबंध न हो सके, उसकी जगह फ्लुक्लोरेलिन (45 ईसी) का घोल मिलाकर छिड़काव करना चाहिए. इससे खरपतवार नहीं उत्पन्न होता है.

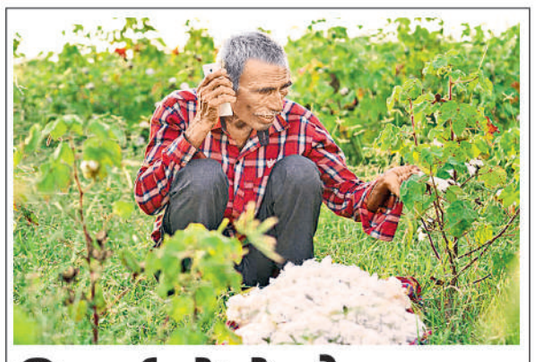

विदर्भ में बेमौसम बारिश से फसलों को हो रहा नुकसान

एग्रो ALERT

विदर्भ में हो रहे बेमौसम बारिश के कारण रबी सीजन की बुवाई में देरी होगी, जिससे किसानों को नुकसान झेलना पड़ सकता है. बारिश के कारण चना, ज्वार समेत अन्य फसलों पर कीटों का प्रकोप भी बढ़ सकता है. विदर्भ में नवंबर के अंतिम चरण में भी कई जिलों आधी बुवाई नहीं हो पाई है. इसका असर भविष्य में उत्पादन पर भी पड़ेगा.

कपास पर खतरा

फिलहाल कपास की बिक्री हो रही है. जानकारों का कहना है कि अगर इसी तरह कपास बेचना जारी रखते हैं तो कपास को नुकसान होगा. इसके अलावा बंधन का खतरा भी बढ़ रहा है. बेमौसम बारिश से बोंडा लार्वा जैसे बीमारियों की घटनाओं में वृद्धि हुई है, जिसके कारण कपास के बोंडा की गुणवत्ता खराब हो गई है. इसलिए उत्पादन में गिरावट आएगी. अगर कपास की गुणवत्ता वाली फसल की कटाई करनी है तो उसे स्वच्छ वातावरण में बेचना बेहतर होगा. कृषि विभाग ने भी किसानों को सलाह दी है कि इनमें से किसी एक कीटनाशक के साथ फ्लुबेंडामाइड 20 डब्ल्यूजी 6 ग्राम या थियोडिकार्ब 75 डब्ल्यूपी 20 ग्राम या नोवलोरोन 5.25 इंडोक्साकार्ब 4.50 एससी 16 मिली प्रति 10 लीटर पानी में मिलाकर कपास पर छिड़काव करना चाहिए.

नींबूवर्गीय पौधों को ऐसे कीजिए सुरक्षित

एग्रो TECH

कोढ़ (कैंकर) व टहनी मार रोग

कैंकर में पत्तों, टहनियों व फलों पर गहरे रंग के खुरदरे धब्बे पड़ जाते हैं. टहनी मार रोग में टहनियां ऊपर से सूखनी शुरू हो जाती हैं.

गोंद निकलना तथा तने व फल का गलना

जमीन की सतह के नजदीक तने की छाल उखड़कर गल जाती है और तने से गोंद जैसा पदार्थ निकलने लगता है. गलन रोग में आरंभ में पत्तों, टहनियों व फलों पर बाहर से पीले गहरे रंग के गोल धब्बे पड़ जाते हैं. पत्तों व फल की सतह कागज की तरह हो जाती है.

जैसा महीना, वैसा उपाय

- दिसंबर से फरवरी

गोंद निकलने वाले भाग को कुरेद कर साफ करें और बोर्डो पेस्ट लगाएं. काट छांट के बाद 0.3 प्रतिशत कापर आक्सीक्लोराइड के 3 छिड़काव अक्टूबर, दिसंबर व फरवरी में करें.

- अप्रैल से मई

जस्ते की कमी को रोकने के लिए तीन किलो जिंक सल्फेट व 1.5 किलो बुझा चूना 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें.

- जुलाई

बारिश शुरू होने के बाद 0.3 कापर आक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें.

- अगस्त से सितंबर संतरे व माल्टे के कोढ़ की रोकथाम हेतु जिन दिनों बारिश न हो, उन दिनों में 0.3 प्रतिशत कॉपर आक्सीक्लोराइड का छिड़काव करें.

प्रमुख कीट

नींबू का तेला : नींबू जाति के पौधों को नींबू का तेला रस चूसकर मार्च-अप्रैल तथा वर्षा ऋतु के बाद हानि पहुंचाता है.
नींबू की लीफ माइनर : पत्तियों की दोनों सतहों पर चांदी की तरह चमकीली और टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाती है.
नींबू की सफेद मक्खी : मार्च से सितंबर तक सक्रिय रहने वाला यह कीट भी पत्तियों से रस चूसकर नुकसान पहुंचाता है.

रोकथाम

तेला व लीफ माइनर के नियंत्रण के लिए अप्रैल में 750 मि.ली. मैटासिस्टाक्स 25 ईसी या 625 मिली रोगोर 30 ईसी या 500 मिली मोनोक्रोटोफास 36 एसएल को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ बाग में छिड़कें.

रबी सीजन में करें चंद्रसूर-इसबगोल की बुवाई

अभी रबी का मौसम है. इस समय चंद्रसूर और इसबगोल की खेती का मौसम है. अगर किसान चंद्रसूर की खेती करने जा रहे हैं तो इसके लिए उन्हें किसी विशेष तकनीक की जरूरत नहीं पड़ेगी. इसे सरसों की तरह ही बोया जाता है. एक एकड़ खेत में चंद्रसूर की बुवाई करने के लिए 2 किलो बीज पर्याप्त होता है. किसानों को एक बात का ध्यान रखना होता है कि वे उत्तम गुणवत्ता वाले बीज का चुनाव जरूर करें.

औषधीय खेती

इसबगोल

अगर आप इसबगोल की खेती करने की योजना बना रहे हैं तो उसके लिए भी यह अनुकूल समय है. इसबगोल के पौधे गेहूं से मिलते-जुलते होते हैं. गेहूं की तरह ही इस पर एक छोटी सी बाली आती है, जिस पर बीज लगता है. इसबगोल पाचन तंत्र को मजबूत बनाने का काम करती है.

अतिरिक्त कमाई

इसबगोल के लिए एक एकड़ में खेती के लिए 2 किलो बीज की जरूरत होती है. इसबगोल की मार्केट में काफी डिमांड है और इसकी प्रोसेसिंग करने में भी ज्यादा कुछ नहीं करना पड़ता है. एक एकड़ से 4 से 6 क्विंटल इसबगोल के बीज प्राप्त होते हैं. वहीं बीज से 1 से सवा क्विंटल तक भूसी प्राप्त होती है, जिसका इस्तेमाल औषधि के रूप में किया जाता है. औषधीय पौधों को अलग खेत में लगाने की जरूरत नहीं है, बल्कि आम फसलों के साथ ही इन्हें बोया जा सकता है. मिसाल के तौर पर एलोवेरा को बाग में, गिलोय को खेत के चारों तरफ और सतावर को खेत के अगल-बगल में लगा सकते हैं. इससे खेत में लगी फसल की सुरक्षा भी होगी. इस तरह खेती कर किसान अतिरिक्त कमाई कर सकते हैं.

कृषि यंत्र

सुपर सीडर मशीन

सुपर सीडर में रोटावेटर, रोलर व फर्टिसीडड्रिल लगा होता है. सुपर सीडर को ट्रैक्टर के साथ 12 से 18 इंच खड़ी पराली के खेत में जुताई करते हैं. रोटावेटर पराली को मिट्टी में दबाने, रोलर समतल करने व फर्टिसीडड्रिल खाद के साथ बीज की बुवाई करने का काम करता है. 2 से 3 इंच गहरे में बुवाई होती है. सुपर सीडर मशीन से खेत की एक बार जुताई करने से ही फसल अवशेष छोटे-छोटे टुकड़ों में बांटे जाते हैं और जमीन में मिल जाते हैं जो खेत की उर्वरा शक्ति बढ़ाने का काम करते हैं. इस मशीन से खेत एक बार की जुताई में ही तैयार हो जाता है. इससे जुताई व बुवाई करने पर फसल को कम खाद व उर्वरकों की आवश्यकता पड़ती है. इसके इस्तेमाल से पौधों के गिरने की संभावना भी कम रहेगी. सुपर सीडर मशीन की सहायता से खेत में 5 टन से अधिक फसल अवशेष की अवस्था में भी आसानी से खेत में बुवाई की जा सकती है. इससे जुताई करने पर 5 प्रतिशत अधिक उत्पादन और लागत में 50 प्रतिशत की कमी की जा सकती है.

कार्यविधि

सुपर सीडर फसल अवशेषों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर खेत में फैला देता है. मिट्टी के नीचे दब जाने से यह फसल अवशेष सड़कर जैविक खाद बन जाते हैं. सुपर सीड से गेहूं की सीधी बुवाई हो जाती है. इसमें जहां बीज गिरना होता है, वहीं खुदाई होती है. बीज के साथ उर्वरक भी चला जाता है. इस तरह खाद भी कम लगती है. सुपर सीडर से सीधी बुवाई में बीज, पानी, खाद और मजदूरी की भी बचत होती है, जबकि पैदावार में इजाफा होता है. सुपर सीडर मशीन का मुख्य कार्य कंबाइन हारवेस्टर के साथ धान की कटाई के बाद एक ही ऑपरेशन में धान के अवशेषों को मिट्टी में मिला देती है. इस मशीन की सहायता से गेहूं, मक्का, दलहन अन्य फसल के बीज की बिजाई की जा सकती है.

विशेषताएं

- चलाने के लिए 55 एचपी या इससे अधिक एचपी ट्रैक्टर की आवश्यकता होती है.
- वजन करीब 870 से 1000 किलो होता है.
- मीटरिंग डिवाइस को बेहतर प्रदर्शन और स्थायित्व के लिए इसे एल्यूमिनियम और लोहे के मिश्रण के साथ डिजाइन किया गया है.

विदर्भ में बड़े पैमाने में फूलों की खेती की जाती है. कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक इस मौसम में फूलों की अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का संतुलित उपयोग बहुत आवश्यक है. इसके उपयोग से खेत की उर्वरा शक्ति बनी रहती है, साथ ही पौधों की वृद्धि भी अच्छी होती है. संतुलित खाद के अंतर्गत किसी स्थान विशेष की मिट्टी, फसल और पर्यावरण के आधार पर नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश जैसे मुख्य पोषक तत्वों की सही मात्रा सही समय पर सही अनुपात में दी जाती है, ताकि अधिकतम उत्पादन लिया जा सके. मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक की उचित मात्रा का सही निर्धारण किया जाता है.

सर्दियों के मौसम में फूलों में पोषण प्रबंधन

गेंदा

विदर्भ के गोंदिया, भंडारा, वर्धा, चंद्रपुर आदि जिलों में गेंदे की खेती पूरे साल व्यावसायिक रूप से की जा सकती है. त्योहारों और शादियों में इसके फूल बेचकर अच्छी आमदनी प्राप्त की जा सकती है. इसके फूलों से तेल भी प्राप्त होता है. सामान्य तौर पर फूलों का अच्छा उत्पादन प्राप्त करने के लिए खेत में 10-15 टन गोबर की खाद के अलावा 100 kg नाइट्रोजन, 80-100 kg फास्फोरस और 80-100 kg गोबर की पहली जुताई के समय पोटैशियम प्रति हेक्टेयर की आवश्यकता होती है. फास्फोरस और पोटेशियम की पूरी मात्रा खेत की आखिरी जुताई के समय मिट्टी में मिला दी जाती है, जबकि नाइट्रोजन की आधी मात्रा 25.30 के बाद पौधे में डाली जाती है.

गुलदाउदी

गुलदाउदी को सेवंती और चंद्रमालिका के नाम से भी जाना जाता है. गुलदाउदी के फूलों की बनावट, आकार-प्रकार और रंग में इतनी विविधता है कि शायद ही कोई दूसरे फूल में हो. इसके फूल में सुगंध नहीं होती और इसके फूलने का समय भी बहुत कम होता है, फिर भी लोकप्रियता में यह गुलाब के बाद दूसरे स्थान पर है. इसकी खेती मुख्य रूप से कटे हुए (डंठल के साथ) और ढीले (डंठल के बिना) फूलों के उत्पादन के लिए व्यावसायिक पैमाने पर की जाती है. कटे हुए फूलों का उपयोग टेबल की सजावट, गुलदस्ता बनाने, आंतरिक सजावट और ढीले फूलों की माला, वेनी और गजरा के लिए किया जाता है. एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 20-25 टन कम्पोस्ट या गोबर के साथ 100-150 kg नाइट्रोजन, 90-100 kg स्फूर और 100-150 kg पोटेशियम देना चाहिए. गोबर की खाद को खेत की तैयारी के समय मिट्टी में मिला देना चाहिए. नत्रजन की 2/3 मात्रा तथा पोटाश की पूरी मात्रा पौध रोपण के समय मिट्टी में मिला दें. नाइट्रोजन की बची हुई मात्रा बुवाई के 40 दिन बाद या कली निकलने के बाद देनी चाहिए.

KCC के दायरे में पशुपालक किसान

सरकार ने चलाया अभियान

केंद्र सरकार द्वारा अब पशुपालन क्षेत्र में भी क्रेडिट कार्ड बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के माध्यम से दुग्ध संघों से जुड़े उन सभी पात्र डेयरी किसानों को सम्मिलित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें पहले अभियान में अभी तक शामिल नहीं किया गया है. इस अभियान का उद्देश्य किसान क्रेडिट कार्ड के लाभों का विस्तार देश के सभी पात्र पशुपालन और मत्स्य पालकों तक किया जाना है. यह अभियान 15 फरवरी 2022 तक चलेगा. इसके तहत उन सभी पात्र किसानों को शामिल करना है, जो विभिन्न पशुपालन गतिविधियों में शामिल हैं जैसे गोवंश पालन, बकरी, सुअर, मुर्गी पालन. इसी तरह मछली पालन करने वालों को भी क्रेडिट सुविधा प्रदान की जाएगी.

पशुपालक और मछलीपालक किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) अपने निकटतम बैंक शाखा पर जाकर बनवा सकते हैं. सरकार ने किसानों की परेशानी को समझते हुए केसीसी आवेदन के लिए बहुत ही सरल फॉर्म जारी किया है. इसे भरने के बाद उन्हें महज 15 दिन में अपना किसान क्रेडिट कार्ड मिल जाएगा. इस क्रेडिट कार्ड से लिए गए कर्ज पर 3 लाख रुपए तक का सेवा शुल्क माफ कर दिया गया है. केसीसी के तहत 3 लाख रुपए तक का कर्ज सिर्फ 7 फीसदी ब्याज पर मिलता है. समय पर पैसा लौटाने वाले किसानों को 3 फीसदी की छूट भी मिलती है. समय पर कर्ज लौटाने वाले किसानों को महज 4 फीसदी ब्याज दर पर ही रकम मिल रही है.

मिलेगा लोन

केसीसी से कृषि के लिए किसान 3 लाख रुपए तक का लोन ले सकता है, जबकि पशुपालन व मछलीपालन के लिए सिर्फ 2 लाख रुपए ही मिलता है. केसीसी बनवाने के लिए पहले आवेदकों को अपने पास से 3-4 हजार रुपए खर्च करने पड़ते थे. यह पैसा प्रोसेसिंग फीस, इंस्पेक्शन और लेजर फोलियो चार्ज के रूप में देना होता था. लेकिन सरकार ने अब इसे खत्म कर दिया है. लेकिन यह ध्यान रखना होगा कि इसकी माफी सिर्फ 3 लाख रुपए तक का ही कार्ड बनवाने पर मिलती है. पशुपालन और मछलीपालन के लिए लोन लेने वाले इसी दायरे में आते हैं.

सरकार का लक्ष्य

केंद्र सरकार की ओर से वित्त वर्ष 2021-22 में 16.5 लाख करोड़ रुपए का कृषि लोन बांटने का लक्ष्य रखा है. बताया गया है कि इसमें से किसानों को 14 लाख करोड़ रुपए का लोन दिया जा चुका है.

ऑनलाइन आवेदन

किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के लिए ऑफिशियल साइट pmk-isan.gov.in पर जाना होगा.

10 सितम्बर "वर्ल्ड सुसाइड प्रिवेंशन डे" पर विशेष

आत्महत्याओं का कोई दिन नहीं होता, वो होती हैं रोज़

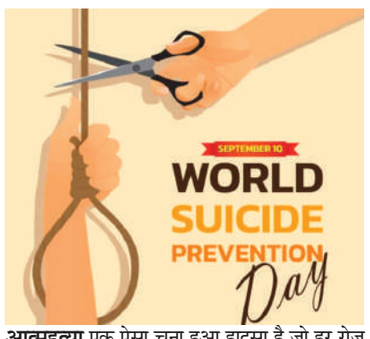

आत्महत्या एक ऐसा चुना हुआ हादसा है जो हर रोज हर दिन आपके आसपास हो रहा है। हर वक्त होता है। अब भी जब मैं ये लिख रही हूँ और तब भी हो रहा होगा जब आप इसे पढ़ रहे होंगे तब भी।

किसी इंसान के अकेले रहने में, उसके तनाव में जाने में और उसके बाद में ऐसा कोई कदम उठाने में बहुत सारे फैक्टर्स काम करते हैं। यह बात देश काल से भी अलग नहीं है।जब हम संयुक्त परिवारों में रहा करते थे तब की बात अलग थी। कोई भी अकेला बैठा दिखता तो हमारा ध्यान जाता था कि वो अकेला क्यों बैठा है और टोक दिया जाता। एकल परिवारों में हमारे पास इतना वक्त नहीं होता कि कोई अकेला बैठा है तो उसे पूछें। वह प्राइवेसी के नाम पर भी बैठा हो सकता है और इसमें कुछ गलत भी नहीं है लेकिन प्राइवेसी के नाम पर बैठे हुए इंसान में और तनाव को पालकर बैठे हुए इंसान में ज़मीन आसमान का अंतर होता है।इंसानों की रूचि, इच्छाएँ, शौक और काबिलियत जैसे-जैसे फालतू की चीज़ों को एक्सप्लोर करने में जाया होती जाती हैं वैसे वैसे आप इंसानियत से और मानसिक स्वास्थ्य से अपनों को समझने में और उनको बचाने से दूर होते चले जाते हैं। यही हो रहा है।

यदि सब मानसिक रूप से स्वस्थ हैं तो फिर यह रोज़, हर रोज़, हर रोज़ आत्महत्या कर कौन रहा है! और इनके आसपास के लोग इनके परिवार के लोग वह क्यों नहीं पता लगा पाते कि हमारे परिवार का कोई इंसान मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है या किसी तनाव और अवसाद की भयंकर स्थिति में है।हाँ यह है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ इंसान को पहचानना इतना आसान नहीं है लेकिन आज की तारीख में तनाव और अवसाद के लक्षण इतने सामान्य हो चुके हैं कि इस को पहचानना आसान है। आप दूसरों को छोड़िए आप खुद भी मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है, आपको पता होने के बाद भी और स्वीकार नहीं करते। क्यों!

हमारे समाज में मनोवैज्ञानिक और मनोचिकित्सकों के पास जाने वाले को ऐसा समझा जाता है जैसे पता नहीं कौन से गुप्त रोगों का इलाज करवाने जा रहे हैं! ना मालूम कौनसी छूत की बीमारी है!

ये सोच पीड़ित को सिर्फ अपमान और दुःख ही दे सकती है और कुछ नहीं। आप अपने मानसिक स्वास्थ्य को अगर एक बिगड़ैल, वाचाल, पंचायती, बद्तमीज और संवेदनहीन समाज की कीमत पर खो देना भला समझते हैं तो मैं बता दूँ कि हाँ आप सच में स्वयं भी अपने मानसिक स्वास्थ्य से कोई गरज नहीं रखते। हमारे समाज में मनोरोगियों एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों को, तनाव से ग्रसित लोगों को हिक़ारत भरी नजरों से देखा जाता है। हमारे यहाँ सबसे पहले तो तनाव को तनाव नहीं समझा जाता और आजकल तो जैसा कि सोशल मीडिया पर हर चीज पर मज़ाक बनाने का एक नया रिवाज़ है क्योंकि अब स्वस्थ मज़ाक लोगों के पास बचे नहीं है तो तनाव और मानसिक व्याधियों को भी मज़ाक बना दिया गया है और इस पर फूहड़ हास्य बनाए जाते हैं। यहाँ तक कि अभिभावक भी जब बच्चों को हमारे पास लेकर आते हैं और जब बच्चा कहता है कि मुझे कुछ अच्छा नहीं लगता है। मुझे लगता है मैं डिप्रेशन में हूँ तो उनके पेरेंट्स त्योरियाँ चढ़ाकर कहते हैं, 'बताइए इनकी उम्र में हमने यह कर लिया था, हमने वह कर लिया था और इनको तनाव है!'

आपकी उम्र और इनकी उम्र में एक पूरी पीढ़ी का अंतर है। वक्त का अंतर है और वक्त के साथ-साथ बहुत कुछ बदलता है। आचार-विचार बदल गए। व्यवहार बदल गए। ज्ञान का रुप बदल गया, स्वरूप बदल गया। समझने-समझाने का तरीका बदल गया। रिश्ते बदल गए। तरीके-सलीके बदल गए। संवेगों का स्थान व्यावहारिकता ने ले लिया। आप संयुक्त परिवारों से एकल परिवारों में आ गए। पचासों तरह की चीजें बदल गई। बात नहीं कह पाना और बात नहीं सुन पाना दुर्भाग्य है। जो आगे जाकर तनाव, तनाव और सिर्फ तनाव में ही घुल जाता है।

आप बैठें, बात करें। आप को नहीं समझ में आ रहा है तो मनोवैज्ञानिकों, मनोचिकित्सकों के पास लेकर जाइए। वो आपको बताएँगे कि क्या समस्या है और इन समस्याओं का हल क्या है।

आत्महत्या रोकी जा सकती है

अगर आत्महत्या के विचार को उस एक बेहद भयावह पल में विचलन से खारिज कर दिया जाए। उसके लिए आपका किसी को समझना बहुत जरूरी है। उसके लिए आपका आपके अपनों को और स्वयं को समझना जरूरी है।आत्महत्या की इच्छा या जुनून अचानक से पैदा नहीं होते। ये एक ग्रेजुअल प्रोसेस के तहत होता है। अधिकांश परिस्थितियों में स्वजन, परिजन देखकर भी इग्नोर करते हैं या कुछ करना ही नहीं चाहते। हमारा समाज बहुत अलग तरह का समाज है जहाँ खुद के लिए जीने का कंसेप्ट एक अजूबा और बुरी तरह से इग्नोर करने-करवाने लायक चीज़ है। हमारे यहाँ 'वो क्या सोचेगा, वो क्या कहेगा' सोच ने सबको बर्बाद कर रखा है अब जो इस (कु) सोच से बच गया या लड़ गया वो जी गया और जो इससे नहीं लड़ पाया वो खुद से भी हार जाता है।

भारती गौड़
प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक

आत्महत्या रोकने की कोई दवा नहीं होती है

दवा होती है आपको सुलाने के लिए। आपको शांत करने के लिए। आपके बार बार मरने के विचारों के जुनून को काटने के लिए। उस फ्रीक्वेंसी को तोड़ने के लिए।

जिन लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति डेवलप हो जाती है उन्हें दवा की जरूरत पड़ती है। इसलिए ये अंतर भी पता होना चाहिए। बहुत बार सब्जेक्ट (जो आत्महत्या करना चाहता है) अपने परिजनों या जिसकी वजह से मरना चाहता है उसे एक चेतावनी के रूप में ये दिखाना चाहता है कि अगर मेरे साथ यही सब चलता रहा तो मैं ऐसा कर लूँगा/लूँगी। वो एक धमकी के रूप में होता है। वो थैरेपी से ठीक किया जा सकता है। गंभीर किस्म के मानसिक रोगी या जो किसी भी तरह की व्याधि से जूझ रहे हैं जिसमें ज्यादातर डिप्रेशन (एक्यूट) शामिल होता है, वाले लोग बार बार आत्महत्या करने की कोशिश करते हैं और इसमें दुःख हो रहा है मुझे कहते हुए कि एक ना एक दिन वो कामयाब हो जाते हैं अपने आपको खत्म करने में क्योंकि वक्त से संभाले नहीं गए और हाथ में कुछ रहा नहीं।मेरा कंसर्न इस स्टेज से पहले का है क्योंकि उसी चरण पर आप बच सकते हैं या बचा सकते हैं। दवा वाली स्टेज पर आकर मुश्किल हो जाता है बचाना क्योंकि ये दवा वो दवा नहीं है जो आप समझते हैं कि बुखार है और पाँच सात दिन के कोर्स से ठीक हो जाएगा। मनोचिकित्सक की दवा वो दवा नहीं होती दोस्तों जो आप समझते हैं। नहीं होती वो वैसी दवा।

मेरा जोर यहाँ पर उन लोगों को बचाने पर है जिन्हें वक्त रहते बिना दवाओं के बचाया जा सकता है। आप मनोवैज्ञानिकों/मनोचिकित्सकों के पास जाइए। आप खुद की और अपने लोगों की मदद करके तो देखिए।

बहुत दुःख की बात है कि सिर्फ और सिर्फ इग्नोर करते रहने की वजह से ये नौबत आ जाती है कि बाद में किसी इन्सान के लिए 'है' की जगह 'था' लगाना पड़ता है। आत्महत्या करने की इच्छा और कर लेने के बीच के वक्त को अगर आपने पकड़ा तो आप जीतेंगे लिख लीजिए और बाद में हँसेंगे कि क्या करने वाला/वाली थी यार।बहुत मुश्किल काम है आत्महत्या करना और बहुत आलस भरा काम है जीना। तो थोड़ा आलस कर लीजिए। एक दिन सबको मरना ही है चिंता आप तब कीजिएगा जब कोई अमर रहे।

ठहरिए, रूकिए, सोचिए। आत्महत्या एक परोक्ष हत्या होती है। कोई मजबूर ना करे तो कोई अपनी जान क्यों ले?

बहुप्रतीक्षित फैसला: ज्ञानवापी मामले में मुस्लिम पक्ष की याचिका ख़ारिज़

शृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन का मामला सुनने योग्य

वाराणासी। ज्ञानवापी परिसर स्थित शृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन के मामले पर जिला जज अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की अपील खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि मामला सुनने योग्य है। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि वो इलाहाबाद हाईकोर्ट में फैसले को चुनौती देगा। जिला जज ने मुस्लिम पक्ष के आवेदन रूल 7 नियम 11 के आवेदन खारिज किया। उठाए गए तीन बिंदुओं प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, काशी विश्वनाथ ट्रस्ट और वक्फ बोर्ड से इस वाद को बाधित नहीं माना और शृंगार गौरी वाद सुनवाई योग्य माना। जिला जज ने 26 पेज के आदेश का निष्कर्ष लगभग 10 मिनट में पढ़ा। इस दौरान सभी पक्षकार मौजूद रहे। कोर्ट ने शृंगार गौरी वाद की जवाबदेही दाखिल करने और ऑर्डर 1 रूल 10 में पक्षकार बनने के आवेदन पर सुनवाई करेगी।

हिंदू समाज को बहुत बड़ी जीत मिली

हिंदू पक्ष के पैरोकार सोहन लाल आर्य ने कहा कि आज हिंदू समाज को बहुत बड़ी जीत मिली है। अगली सुनवाई 22 को होगी। ज्ञानवापी मंदिर के लिए यह मील का पत्थर है। हम सभी लोगों से शांति की अपील करते हैं।

हाईकोर्ट में जाएंगे: मुस्लिम पक्ष

अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता मेराजुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि वह जिला जज के इस आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट जाएंगे। ये कोई फाइनल ऑर्डर नहीं है। ये तो एक एप्लीकेशन का डिस्पोजर था। केस की पोषणीयता पर सवाल उठाए थे। हालांकि, जज साहब ने स्वीकार नहीं किया।' वहीं, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के लोगों ने कोर्ट के इस फैसले पर टिप्पणी करने से इंकार कर दिया।

शरद पवार फिर बने एनसीपी के अध्यक्ष, कार्यसमिति की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया फैसला

नई दिल्ली। देश के वरिष्ठत्तम नेताओं में से एक शरद पवार को फिर से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया है। दरअसल, दिल्ली में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक हुई थी। इस बैठक में सर्वसम्मति से शरद पवार को फिर से अध्यक्ष चुने जाने का प्रस्ताव पास हुआ। एनसीपी के मुख्य प्रवक्ता महेश भारत तापसे ने बताया कि शरद पवार को सर्वसम्मति से अगले 4 साल के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में फिर से चुना गया है। आपको बता दें कि शरद पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक सदस्य भी हैं। शरद पवार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। इसके अलावा केंद्र में भी कई मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली है।

आज की बैठक में पार्टी के बड़े नेता शामिल हुए थे। पार्टी के बड़े नेताओं से शरद पवार की चर्चा हुई। इसके अलावा पार्टी के सहकारी मित्र भी उपस्थित हुए थे। उन सभी से शरद पवार ने कहा कि कोरोना महामारी की वजह से पिछले 2 सालों से हम नहीं मिल पा रहे थे। लेकिन शरद पवार ने सभी के इकट्ठा होने पर खुशी जताई। इस बार एनसीपी की मीटिंग और अधिवेशन एक अलग तरीके से आयोजित किया जा रहा है। अधिवेशन की जिम्मेदारी राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के ऊपर है। वहीं राष्ट्रवादी विद्यार्थी कांग्रेस ने भी इसमें अपनी अहम जिम्मेदारी निभा रही है। वर्तमान में देखें तो शरद पवार विपक्षी एकजुटता को मजबूत करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। हाल में ही उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार से दिल्ली में मुलाकात की थी। शरद पवार को महाराष्ट्र की राजनीति का दिग्गज नेता माना जाता है।

मादक पदार्थ-आतंकवाद से जुड़े मामलों में कार्यवाही

एनआईए के दिल्ली व तीन राज्यों में 50 स्थानों पर छापे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकवादियों, अपराधियों और मादक पदार्थों के तस्करों के बीच कथित साठगांठ को समाप्त करने के लिए सोमवार को तीन राज्यों और राष्ट्रीय राजधानी में 50 स्थानों पर छापे मारे। राजस्थान के हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों तथा पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या में शामिल गैंगस्टर के यहां भी छापे मारे गए।

एनआईए ने 26 अगस्त को एक मामला दर्ज किया था, जब उसने भारत और विदेशों में स्थित कुछ गिरोहों के सरगनाओं और उनके सहयोगियों की पहचान की थी, जो आतंकी और आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। एक प्रवक्ता ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में छापेमारी की गई, ताकि भारत और विदेशों में स्थित आतंकवादियों, संगठित अपराधियों, मादक पदार्थों के तस्करों आदि के बीच साठगांठ को खत्म किया जा सके। हाल ही में कुछ सनसनीखेज अपराधों और आपराधिक गिरोहों द्वारा व्यवसायियों, डॉक्टरों सहित पेशेवरों से रंगदारी मांगने की घटनाओं की जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

इन गैंगस्टरों के परिसरों में हुई तलाशी

कनाडा में रहने वाले गैंगस्टर गोल्डी बराड़, लॉरेंस बिश्नोई, जग्गू भगवानपुरिया, वरिंदर प्रताप उर्फ काला राणा, काला जठेड़ी, विक्रम बराड़, गौरव पटियाल उर्फ लकी पटियाल के परिसरों की सुबह तलाशी ली गई। इसके अलावा गैंगस्टर नीरज बवाना, कौशल चौधरी, टिल्लू ताजपुरिया, अमित डागर, दीपक कुमार उर्फ टीनू, संदीप उर्फ बंदर, उमेश उर्फ काला, इरफान उर्फ चीनू पहलवान, आशिम उर्फ हाशिम बाबा, सचिन भांजा व उनके अन्य सहयोगियों के यहां भी छापे मारे गए। गोल्डी बराड़ और जग्गू भगवानपुरिया - दोनों मूसेवाला की हत्या के मामले में भी आरोपी हैं। मूसेवाला की 29 मई को पंजाब में गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी।

हथियार व मादक पदार्थ बरामद

प्रवक्ता ने बताया कि छापेमारी के दौरान गोला-बारूद के साथ छह पिस्तौल, एक रिवॉल्वर और एक बन्दूक के अलावा नकदी, आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण, बेनामी संपत्ति का ब्योरा, धमकी भरे पत्र, मादक पदार्थ भी बरामद किए गए।

'कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा से रथयात्रा करने वालों को पहुँच रही चोट', CM भूपेश बोले- भाजपा के लोग घबराए हुए हैं

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर फिर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पदयात्रा से जबर्दस्त खलबली है, क्योंकि वो लोग रथयात्रा करने वाले हैं। हिंसा और घृणा की राजनीति करने वाले हैं। इस यात्रा से भाजपा नेताओं को करारी चोट पहुंच रही है। बिलबिलाए हुए हैं। तकलीफ तो उनको हो रही है। यात्रा शुरू होने से पहले ही जिला स्तर पर प्रतिक्रिया कर रहे थे। भाजपा के लोग घबराए हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा से देश में एक नया परिवर्तन आएगा और इसका असर राजनीति में भी होगा। भारत जोड़ो यात्रा को चुनावों से जोड़ने पर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि प्रजातंत्र में चुनाव होते रहेंगे, लेकिन जब तक लोगों में आपसी सदभाव, सभी धर्मों में एकता, समरसता नहीं रहेगी तब तक देश आगे नहीं बढ़ेगा। भारत जोड़ो केवल चुनाव का मुद्दा नहीं है।

मैंने तो पहली ही कहा था- IT, ED वाले आएंगे

देशभर में पड़े आयकर के छापों को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि झारखंड के विधायक छत्तीसगढ़ आए थे, तब मैंने कहा था कि छापा पड़ेगा। ईडी, आईटी और सीबीआई वाले आएंगे और मेरी बात सही साबित भी हुई। उन्होंने कहा कि देश में लगातार लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

राष्ट्रीय दादा दादी, नाना नानी (ग्रैंड पैरेंट्स) दिवस 11 सितंबर पर विशेष

ख़ुशियों की बारिश हुई

दादा-दादी, नाना-नानी यानी ग्रैंड पैरेंट्स बच्चों का पुस्तकालय है, उनके पास जो ज्ञान का पिटारा है वह दुनिया में कहीं नहीं, इनका स्थान ईश्वर अल्लाह से बढ़कर होता है।

भारत आदि अनादि काल से बड़े बुजुर्गों माता पिता दादा-दादी नाना नानी वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान करते आया है, जिनकी गाथाओं से भारत के साहित्य पुराण ग्रंथ राम लक्ष्मण रामायण गीता श्रावण भगत प्रल्हाद इत्यादि अनेकों महान योनियां भारत माता की गोद में अवतरित हुई है जो आज भी इस आस्था का बहुत सटीक प्रमाण है। चूंकि 11 सितंबर 2022 को राष्ट्रीय ग्रैंड पेरेंट्स दिवस यानें दादा-दादी दिवस बच्चों संस्थाओं समाज में बहुत उत्साहित होकर मनाया गया इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से बच्चों के दादा-दादी की खुशियों के रूप में घर परिवार में खुशियों की बारिश हुई पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय दादा-दादी दिवस मनाने की करें तो बच्चों के अपने दादा दादी नाना नानी से एक अलग लगाव होता है, क्योंकि दादा दादी नाना नानी रिश्तो के बगीचे में माली होते हैं जो हर दिन अपने परिवार को सहेजते रहते हैं। जब भी कहानियां या घरेलू नुस्खे सुनने का मन होता है दादा दादी नाना नानी की याद आ जाती है और बच्चे पप्पा मम्मी के गुस्से से बचने के लिए भी इनकी शरण में चले जाते हैं। सही अर्थों में बुजुर्ग घर की छत्रछाया और शान होते हैं उनके द्वारा सुनाई गई कहानियों के मूल्यों और सीख के रूप में मोती रूपी ज्ञान बच्चों को मिलता है, जो उनका व्यक्तित्व निर्माण में नींव का काम करता है और भविष्य की सफलता मील का पत्थर साबित होती है। प्रौद्योगिकी युग में मोबाइल कंप्यूटर किताबों से भरे बच्चों के स्कूल के बैग टेलीविजन पर कार्यक्रम की भरमार लगी पड़ी है परंतु फिर भी यह सब हमारे दादा दादी नाना नानी की कहानियों घरेलू नुस्खों की वाणी की अनमोल सीख से बहुत बड़ी मात्रा में कम है, क्योंकि इनकी वाणी के शब्द कानों से टकराते ही कल्पना की उड़ान भरते हैं। उदाहरण के लिए यदि कहानी शुरू होती है कि एक बरगद का पेड़ था, तो बच्चे के मन में पेड़ के आकार और उनके स्थान की कल्पना शुरू हो जाती है और उनकी सोच का दायरा विस्तार करता है और कहानी सुनने में सभी इंद्रियां सक्रिय हो जाती है। मेरा सुझाव है कि केंद्र और राज्य सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा बुजुर्गों के सम्मान के लिए इसे मनाने हेतु नोटिफिकेशन जारी किया जाना चाहिए।

बच्चों के जीवन में दादा दादी के विशेष भूमिका की करे तो, दादा-दादी ने बच्चों के जीवन में विशेष रूप से उनकी कम उम्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह फैक्ट से भी सिद्ध होता है कि जब दादा-दादी और नाती-पोते एक-दूसरे के साथ समय बिताते हैं तो यह दोनों को खुश रखने में मदद करता है। सेवानिवृत्ति की उम्र में दादा-दादी सभी कामों से मुक्त हो जाते हैं, लेकिन उनके बुढ़ापे के कारण जाहिर है कि वे अपने जीवन का आनंद नहीं ले सकते हैं जैसे वे छोटे में लेते थे, इसलिए अपने पोते-पोतियों के साथ खेलना और उन्हें निहारना सबसे अधिक पसंद करते हैं। हमारे दादा-दादी, नाना-नानी एक पुस्तकालय हैं, हमारे निजी गेम सेंटर हैं, सर्वश्रेष्ठ रसोइए हैं, सर्वश्रेष्ठ समर्थन देने वाले व्यक्ति हैं, अच्छे शिक्षक हैं और प्यार से भरी दुनिया, जिसमें दो आत्माओं को एक साथ रखा गया है, वे हमेशा हमारे लिए मदद के लिए खड़े रहते हैं। माता-पिता के माता पिता यह शब्द हमारे दादा-दादी,नाना-नानी के लिए बहुत उपयुक्त है। मैं सिर्फ इतना कह सकता हूं। दादा-दादी,नाना-नानी वे हैं जिन्होंने हमारे माता-पिता को पाल-पोस कर बड़ा किया है जो हमारे जीवन में एक और अद्भुत सहायक है। उनके चेहरे पर आई झुर्रियां इस सबूत हैं कि वे हमारे घरों में सबसे अधिक अनुभवी लोग हैं। इसलिए हम बच्चों के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम उनके साथ जुड़े, सीखें, जो वे हमें सिखाते हैं, उनके अनुभव से सीखें और फिर हमारे जीवन का निर्माण करें। अगर हम ऐसा करते हैं तो अधिक मजबूत होंगे।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि खुशियों की बारिश हुई। राष्ट्रीय दादा दादी नाना नानी (ग्रैंड पेरेंट्स) दिवस 11 सितंबर 2022 को खुशियों से मनाया गया।दादा-दादी बच्चों का पुस्तकालय है उनके पास जो ज्ञान का पिटारा है वह दुनिया में कहीं नहीं। इनका स्थान ईश्वर अल्लाह से बढ़कर है।

संकलनकर्ता लेखक
एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

सोनाली फोगाट मामले की जांच CBI को सौंपी

नई दिल्ली। बीजेपी नेता सोनाली फोगाट की मौत की जांच का मामला सीबीआई को सौंपा गया है। केंद्र के इस फैसले का सोनाली फोगाट के परिवार ने स्वागत किया। इस मामले के सीबीआई को सौंपने पर सोनाली फोगाट के भाई रिंकू फोगाट ने कहा, 'हमारा परिवार शुरू से ही इस मामले में सीबीआई जांच की मांग कर रहा है।' केवल सीबीआई जांच से ही सच्चाई सामने आ सकती है। दरअसल, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने एक पत्र लिखकर सीबीआई जांच की सिफारिश की थी, जिसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को मामले को सीबीआई को सौंप दिया।

एक नज़र

चौथे राष्ट्रीय महासम्मेलन का दो दिवसीय आयोजन सम्पन्न

हिलव्यू समाचार

जयपुर। सामाजिक कार्यकर्ता एवं बीएमडी फाउंडेशन चेयरमैन लक्की राव सीगड़ा ने समाज में उपभोक्ताओं की आवाज को बुलन्द करने के लिए जयपुर में आयोजित देश के उपभोक्ता आंदोलनकारियों के चौथे राष्ट्रीय दो दिवसीय महासम्मेलन में भाग लिया। लक्की सीगड़ा ने जानकारी देते हुए बताया की इस राष्ट्रीय महासम्मेलन का आयोजन कंज्यूमर्स कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा अखिल राजस्थान उपभोक्ता संगठन महासंघ और कंज्यूमर्स एक्शन एंड नेटवर्क सोसायटी केन्स के संयुक्त तत्वावधान किया गया। इस राष्ट्रीय महासम्मेलन का शुभारम्भ गत शनिवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान सभागार जयपुर में हुआ एवं समापन राजस्थान चैम्बर ऑफ़ चैम्बर्स एवं इंडस्ट्री जयपुर में हुआ। इस सम्मलेन कार्यक्रम की अध्यक्षता सीसीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.अनंत शर्मा ने की। मुख्य अतिथि के तौर पर उपभोक्ता मामले विभाग भारत सरकार के सुंयक्त सचिव अनुपम मिश्रा ने शिरकत की।

इस महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य ''उपभोक्ता संरक्षण प्रणाली,चुनौतियां और भविष्य की रणनीति'' विषय पर विचार विमर्श कर देश में उपभोक्ता आंदोलन के भविष्य की रणनीति तय करनी थी।

हरियाणा से प्रतिनिधित्व करते हुए लक्की सीगड़ा ने अपने विचार रखते हुए कहा की हमें उपभोक्ता के भौतिक संरक्षण की आवश्यकता है, उदाहरण के लिए ऐसे उत्पादों से सुरक्षा जो उनके स्वास्थ्य और कल्याण के लिए असुरक्षित या खतरनाक हैं। सरकार द्वारा उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय के लिए महा लोकअदालतों की स्थापना की जानी चाहिए। ई-फाइलिंग एवं मिडिएशन के द्वारा भी उपभोक्ताओं को समस्या का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। वर्तमान समय में उपभोक्ता कानूनों को अधिक कड़ाई से लागू किए जाने की जरूरत है।

इस महासम्मेलन के विभिन्न सत्रों में विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा हुई। इनमें मिलावट, कालाबाजारी, भ्रामक विज्ञापन, हॉलमार्क, गुणवत्ता आदि विशेषज्ञों पर विचार व्यक्त किए। इसमें देश भर के 300 से अधिक उपभोक्ता संगठन के लगभग 400 प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर कैलाश कुमावत, सेंट्रल काउंसिल ऑफ वीसीए एंड पीसीए नई दिल्ली के अध्यक्ष अरुण कुमार ,भावना साहनी,रविंद्र पाल,एस के विरमानी, दीक्षिता पाड़ीवाल,वी. पी. हलचल, बाबू भाई पटेल,मुकेश वैष्णव,विक्की सैनी सहित विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी भी सम्मिलित हुए।

कोई सुध लेने वाला नही कांग्रेस सरकार में, मरीज परेशान

सीसवाली,बाराँ (हिलव्यू समाचार)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बिगड़ती अवव्यस्थाओ का जिम्मेदार कौन है। कोई सुध लेने वाला नहीं। कांग्रेस सरकार में सीसवाली कस्बे मे सरकारी अस्पताल में इलाज के लिए आ रहे मरीजों को चिकित्सा करवाने में कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अव्यवस्था को लेकर स्टाप कमी व जांच उपकरण खराब पडे है। कोई सुध लेने वाला नहीं।इस संदर्भ में भाजपा युवा नेता विष्णु गौतम ने तुरंत चिकित्सा अधिकारी डॉ दीनदयाल यादव व सीएमएचओ डॉ संपतराज नागर बारां को सीसवाली अस्पताल में स्टाप की कमी के बारे में व खराब पड़े उपकरणों को जल्दी सही करवाने को लेकर भाजपा युवा नेता गौतम ने टेलीफोन कर अवगत कराया। और कहा कि मरीजों को तकलीफ में नहीं देख सकते है। सीएमएचओ बारां ने सप्ताह भर में जल्दी ही समस्या का समाधान करने के लिए आश्वस्त किया।उन्होंने कहा कि यदि सीसवाली कस्बे मे सरकारी अस्पताल की समस्या खत्म नहीं हुई तो विष्णु गौतम सीसवाली भाजपा युवा नेता के नेतृत्व में उग्र आंदोलन किया जायेगा।

कर्नल बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में बड़ा बवाल: चांदना ने दी पायलट को धमकी

मैं लड़ने पर आया तो एक ही बचेगा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गुर्जर आंदोलन के अगुवा रहे कर्नल किरोड़ीलाल बैंसला के सोमवार को पुष्कर में हुए अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में आयोजित जनसभा में राजनीतिक हुड़दंग हुआ। इस कार्यक्रम में जुटे गुर्जरों ने प्रदेश सरकार में उद्योग मंत्री शकुंतला रावत और खेल राज्य मंत्री अशोक चांदना का जोरदार विरोध किया। इन नेताओं को भाषण भी पूरा नहीं देने दिया। शकुंतला रावत ने तो जैसे-तैसे अपना भाषण पूरा किया, लेकिन चांदना ज्यों ही भाषण देने लगे मौजूद भीड़ का विरोध बढ़ गया। भीड़ ने सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे लगाते हुए चांदना की तरफ जूते-चप्पल और खाली बोतले फेंकी। भीड़ के इस रवैये से नाराज चांदना ने भी तैश में आकर यह कह डाला कि उनके जैसे बहुत देखे। इसके बाद विरोध कर रहे लोगों ने चांदना को भाषण पूरा नहीं करने दिया।

जूते फिंकवाने से पायलट मुख्यमंत्री बनते हैं तो जल्दी बनें

हंगामे से आहत खेल मंत्री चांदना ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने लिखा कि मुझ पर जूते फिंकवाकर सचिन पायलट यदि मुख्यमंत्री बनते हैं तो जल्दी से जल्दी बन जाएं, क्योंकि आज मेरा लड़ने का मन नहीं है। जिस दिन मैं लड़ने पर आ गया तो फिर एक ही बचेगा, यह मैं नहीं चाहता। चांदना ने यह भी लिखा कि आज एक अद्भुत नजारा देखने को मिला। 72 शहीदों को मारने के आदेश देने वाले मंत्रिमंडल के सदस्य राजेन्द्र राठौड़ के मंच पर आने पर तालियां बजी और जिनके परिवार के लोग आंदोलन में जेल गए उन पर जूते फेंके गए। कर्नल साहब की अंतिम स्मृति को ऐसे कलंकित करने वाले लोग कितनी दूर जाएंगे, यह तो वक्त बताऐगा।

पायलट नहीं थे मौजूद

गुर्जरों की इस सभा में जहां बीजेपी से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, विधायक वासुदेव देवनानी सहित कई नेता पहुंचे। वहीं, कांग्रेस से रावत, चांदना के अलावा आरसीए अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के बेटे वैभव गहलोत व आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ शरीक हुए। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट इस सभा में मौजूद नहीं रहे।

हंगामे के लिए कुछ लोग ज़िम्मेदार: विजय बैंसला

हंगामे को लेकर गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के प्रदेशाध्यक्ष विजय बैंसला ने कहा कि यह हादसा है। यह समाज की भावना नहीं। जो हुआ, वो एक कोने में बैठे कुछ लोगों ने किया। सचिन पायलट को लेकर नाराज़गी थी कि वे नहीं आ पाए। कार्यक्रम में दोनों पार्टियों के लोग थे। कोई विवाद नहीं। 17 अगस्त को झुंझुनूं के खेतड़ी से शुरू हुई अस्थि विसर्जन यात्रा सोमवार को 26वें दिन पुष्कर में खत्म हुई।

250 ड्रोन ने आसमां में लिख दिया "पधारो म्हारे देस"

हिलव्यू समाचार

कोटा। दो साल बाद उत्सव के प्रतीक दशहरा मैदान पर सोमवार को एक बार फिर रात रोशन हुई। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से आयोजित नेशनल डिफेंस एमएसएमई एक्सपो के तहत ड्रोन लाइट शो और यूफोरिया पॉप बैंड शो आयोजित किया गया।

अंधेरा समेटे आसमान को झिलमिलाते-जगमगाते 250 ड्रोन ने सजा दिया जैसे ही एक साथ इतने सारे ड्रोन हवा में उड़ते नजर आए लोगों खासकर बच्चों ने जोरदार तालियां बजाईं। इसके बाद अलग-अलग दिशाओं में ड्रोन एक के बाद एक विभिन्न प्रकार की आकृतियां बनाते चले गए।

हरी-पीली-नीली रोशनी बिखेरते ड्रोन्स ने जमीन से ऊपर उठने के बाद सबसे पहले पृथ्वी का नक्शा बनाया। इसके बाद से कभी भारत का नक्शा बनाया तो कभी आसमान में राजस्थान की संस्कृति की झलक दिखाई। राजस्थानी पगड़ी, मूंछ, घूमर करती महिला, ऊंट की आकृतियां, आई लव राजस्थान बनाईं। पधारो म्हारे देश की आकृति देखकर लोगों ने खूब शोर मचाया।

ड्रोन शो का समापन अगले माह गांधी नगर में आयोजित होने जा रहे एशिया के सबसे बड़े डिफेंस एक्सपो के आमंत्रण के साथ हुआ। ड्रोन्स ने ''सी यू एट डेफ एक्सपो'' की आकृति बना सबको गांधी नगर पहुंचने का आव्हान किया। ड्रोन शो के दौरान पूरे समय लोग एकटक ऊपर देखते रहे।

"माय री" से बॉलीवुड तक नचाते रहे पलाश

वहीं ड्रोन शो से पहले जैसे ही यूफोरिया बैंड स्टेज पर पहुंचा और डा. पलाश सेन ने गाना शुरू किया, वहां मौजूद एक-एक व्यक्ति झूमने लगा। रोक सको तो रोक लो से शुरू करते हुए उन्होंने अपने हिट गानों की झड़ी लगा दी। धूम पिचक धूम, कैसे भूलेगी मेरा नाम, आगे जाने राम क्या होगा, कभी आना तू मेरी गली जैसे गीत जैसे-जैसे गूंजते रहे वहां लोगों का थिरकना बढ़ता गया। राजस्थान की मिट्टी की खुश्बू समेटे राजा-राणी जी गीत को भी दर्शकों ने काफी पसंद किया। यूफोरिया बैंड ने बहुत से बॉलीवुड गोनों की पैरोडी भी प्रस्तुत की। पलाश के बैंड के सदस्यों की स्टेज पर मस्ती ने सभी को जोश और उमंग से भर दिया।

पूर्व केबिनेट मंत्री प्रभूलाल सैनी के साथ एसपी से मिला शिष्ट मण्डल

हिलव्यू समाचार

बून्दी। बून्दी जिले के नैनवां में एक 81 वर्षिय वृद्व महिला के साथ हुई हिंसक लूट की वारदात को लेकर माली समाज में भारी रोष है। पूर्व कृषि मंत्री प्रभूलाल सैनी,बून्दी विधायक अशोक डोगर सहित समाज के विभिन्न संगठनो के पदाधिकारी आज बून्दी एसपी जय यादव से मिले। शिष्ट मण्डल ने बून्दी एसपी को बताया कि वृद्व महिला के साथ हुई हिंसक वारदात से आमजन भयभीत है। लुटेरों के आतंक से कई महिलाओ ने पैरो एंव हाथों के जेवर खोल लिए। कानून के लम्बे हाथ वारदात के 11 दिनों के बाद भी लुटेरों तक नहीं पहुँच पाये हैं। यह आमजन के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। पुलिस की कार्यवाही को लेकर अब लोगो में विश्वास खत्म हो रहा है। अब लोग आन्दोलन करने की मानसिकता में आ गये है। इस पर एसपी ने शिष्ट मण्डल को आश्वस्त किया कि कुछ समय लगेगा लेकिन वारदात की पोल खुल जायेगी। इस पर शिष्ट मण्डल ने प्रशासन को शीघ्र ही वारदात खोले जाने की मांग की है। वहीं पूर्व कृषि मंत्री प्रभूलाल सैनी ने बताया कि पुलिस प्रशासन शीघ्र ही कार्यवाही करके वारदाता का पर्दाफाश कर पाता है,तो ठीक है अन्यथा आगामी आन्दोलन के लिए जिले पर माली समाज की एक बैठक आहूत करके निर्णय लिया जायेगा।

अमीन अली क़ायमखानी का निलबंन वापस लेने की मांग को लेकर दिया ज्ञापन

फिरोज़ खान

सीसवाली, बाराँ (हिलव्यू समाचार)। अन्जुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी सीसवाली के सदर आरिफ नसीब अन्सारी ने बताया कि 05 सितंबर शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में शिक्षा मंत्री बी.डी. कल्ला के समक्ष अमीन अली कायमखानी शिक्षक जो उर्दू संघ के प्रदेश अध्यक्ष भी है द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान ने वर्ष 2021-22 की बजट घोषणा में उर्दू शिक्षा, उर्दू पुस्तके एंव उर्दू शिक्षकों के लिये की गई घोषणाओं को लागू करने की मांग उठाने पर शिक्षा मंत्री के इशारे से अमीन अली कायमखानी को निलंबित कर मुख्यालय जयपुर से बांसवाड़ा कर देने पर तमाम उर्दू समर्थकों, उर्दू प्रेमियों एंव अल्पसंख्यक समाज में रोष है।

इसी बात को लेकर अन्जुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी सीसवाली सदर आरिफ नसीब अंसारी के नेतृत्व में एक ज्ञापन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम नायब तहसीलदार सीसवाली को दिया। ज्ञापन देने वालों में शहर काजी इशाक मोहम्मद, अहले जमात ईदगाह सोसाइटी के सदर अब्दुल गफूर अंसारी, सेक्रेटरी इनायत हुसैन कलम भाई, फख़रुद्दीन अंसारी, मोहम्मद नूर, सलीम सहारा, वाजिद अली, इक़बाल मंसूरी, निसार काजी, आदि मौजूद थे ।

ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि शिक्षा मंत्री को बर्खास्त किया जाए। जिन व्यक्तियों ने शिक्षक दिवस पर शिक्षक कायमखानी के साथ शिक्षक सम्मान समारोह में असम्मान जनक व्यवहार किया है उनके विरुद्ध कानूनी कारवाही की जाए। शिक्षक कायमखानी का निलंबन रद्द कर पूर्व के पद स्थापन पर ही पद स्थापित किया जाए।

इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का शुभारंभ और बोले

हमने जौहरी बाजार में ठेले पर बिकती देखी, मुफ्त इलाज-रोज़गार सरकार की ज़िम्मेदारी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे नरेगा अभियान की तर्ज पर राजस्थान में शहरों में भी अभियान की शुरूआत हो गई है। सबसे पहले महिलाओं को जॉब कार्ड बांटे गए। दरअसल, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के नाम शुरू की इस योजना में पहले दिन प्रदेशभर की 200 से ज्यादा नगरीय निकायों में 2.25 लाख लोगों को जॉब कार्ड जारी किए जा रहे हैं। इस अभियान में शहरी बेरोजगार परिवारों को साल में 100 दिन का रोजगार मिलेगा। इस दौरान अशोक गहलोत ने कहा- जो अधिकार कर्मचारी प्रशासन शहरों के संग अभियान में पट्टे देने में आनाकानी करता है। पार्षद मेयर सहित दूसरे जनप्रतिनिधि अधिकारियों की सूची तैयार करके हमें भिजवाए। हम ऐसे अधिकारियों के खिलाफ बर्खास्त करने की भी कार्रवाई करें। सरकार ने लोगों को किसी भी तरह से के मकानों का पट्टा मिल सके। इसके लिए हमने हर तरह से संशोधन कर दिया है।

गहलोत ने रेवड़ियां बांटने के मामले में पीएम नरेंद्र मोदी के बयान पर चुटकी ली। उन्होंने कहा- हमने जोहरी बाजार में ठेले पर बिकती देखी हैं। जनता को मुफ्त इलाज और रोजगार देना रेवड़ियां नहीं सरकार की जिम्मेदारी है।

मोदी से भाइचारे की अपील करने के लिए कहा: गहलोत ने कहा- मैं चाहता हूं मोदी जी अपील करो। सभी लोग प्यार, मोहब्बत, भाईचारे, विश्वास से रहें। तब देश मजबूत होता है।

मैं हिंसा बर्दाश्त नहीं करूंगा। सब लोग प्यार मोहब्बत से रहें। इसमें क्या दिक्कत है।

वहीं, इस कार्यक्रम में मेयर सोम्या गुर्जर, विधायक नरपत सिंह, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया इस कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। मंत्री प्रताप सिंह और लालचंद कटरिया भी नहीं आए। कांग्रेस विधायक गंगादेवी भी नहीं पहुंची।

दरअसल, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस अभियान की शुरुआत जयपुर में आगरा रोड स्थित खानिया की बावड़ी में श्रमदान करके की। इस मौके पर गहलोत ने रजिस्टर्ड लोगों को जॉब कार्ड भी दिए। काम के लिए औजार भी उपलब्ध करवाए। हालांकि इस सरकारी कार्यक्रम से पहले इस पर राजनीति भी देखने को मिली। जयपुर नगर निगम ग्रेटर और जयपुर नगर निगम हैरिटेज एरिया के 10 विधानसभा के 8 विधायकों का नाम निमंत्रण में विशेष अतिथि के रूप में लिखा गया, लेकिन 2 विधायकों सतीश पूनिया और नरपतसिंह राजवी के अलावा नगर निगम ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर इसमें जगह नहीं दी।

800 करोड़ का बजट: योजना में शहरी क्षेत्र के बेरोजगार व्यक्तियों को साल में 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 800 करोड़ रुपए का बजट रखा है। इसमें एक व्यक्ति को प्रतिदिन 259 रुपए मजदूरी के तौर पर दिए जाएंगे और 8 घंटे काम करना होगा।

18 से 60 वर्ष की एजग्रुप के लोग कर सकेंगे काम: योजना में 18 से 60 साल की एजग्रुप के लोगों को काम दिया जाएगा। योजना में पंजीयन जन आधार कार्ड के जरिए किया जा रहा है। एक परिवार के सदस्यों को अलग-अलग पंजीयन कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जिन परिवारों के जन आधार कार्ड उपलब्ध नहीं हैं, वे ई-मित्र या नगरपालिका सेवा केंद्र पर जन आधार के लिए आवेदन कर उसके क्रमांक के आधार पर जॉब कार्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे।

कविता (हिन्दी दिवस)

हमारी मातृ भाषा

डॉ. नेहा पारीक
सहायक आचार्य
सुबोध कॉलेज

हिन्दी सरल है, अविरल है
ये है हमारी मातृ भाषा
पर ना समझती खुद को एक मात्र भाषा।
हिन्दी ठोस है तरल है
ये है जीवन की आशा
इसी ने गढ़ा अलंकारों का सांचा।
इसने सिखाया छोटों से स्नेह
बड़ों का आदर
इसने ओढ़ाई रिश्तों को स्नेह की चादर।
इसने बताया मात्राओं का महत्व
इसमें समाया अनूठा देवत्व।
हिन्दी हमारे खाने को खास बनाती है
हिन्दी पानी को जल बन प्यास बनाती है।
हिन्दी मैंगो को आम और आम को खास बनाती है
हिन्दी वर्णमाला से सुन्दर साज बनाती है ।
हिन्दी तुम,मैं और आप बनाती है
अभिव्यक्ति का अनूठा एहसास कराती है ।
हिन्दी अदब में आप आप कराती है
और अपनी बात पर जो आये तो
धाख के तीन पात कराती है ।
हिन्दी उपमा,अलंकार और सम्मान देती है
हिन्दी हमारे विचारों को पहचान देती है ।
हिन्दी अतिथियों को मान देती है
हिन्दी सब भाषाओं को प्राण देती है और
हिन्दी हिंद वासियों को गर्व से इठलाने का अवसर समान देती है।
हिन्दी सरल है,अविरल है
ये है हमारी मातृ भाषा
पर ना समझती खुद को एक मात्र भाषा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **ब्यूरो चीफ कोटा:** असलम रोमी मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)